मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

जौनपुर संस्करण
मुंबई
वर्षः 7 अंक 276
सोमवार, 28 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पीएम मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की, दोषियों को सख्त जवाब दिया जाएगा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 121वें एपिसोड में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस घटना ने देश के हर नागरिक को गहरा दुख पहुंचाया है। मोदी ने कहा कि कश्मीर में शांति की वापसी हो रही थी, जिसे जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों ने अपनी साजिश से बाधित करने का प्रयास किया।

'मन की बात' में पीएम मोदी ने पहलगाम हमले की निंदा करते हुए कहा, 'मन में गहरी पीड़ा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई आतंकी वारदात ने देश के हर नागरिक को दुख पहुँचाया है। पीड़ित परिवारों के प्रति हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है। भले वो किसी भी राज्य का हो, वो कोई भी भाषा बोलता हो, लेकिन वो उन लोगों के दर्द को महसूस कर रहा है, जिन्होंने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है। मुझे ऐहसास है, हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है।'

पीएम ने आगे जम्मू-कश्मीर की प्रगति के बारे में बात करते हुए कहा, 'पहलगाम में हुआ ये हमला, आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक रौनक थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे। देश के दुश्मनों को, जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को, ये रास नहीं आया।'

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकी और उनके आकाओं का मकसद कश्मीर को फिर से अशांत करना है, जिसके लिए वे बड़ी साजिशें रचते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश की एकता और 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता हमारी सबसे बड़ी ताकत है, जो हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है।देश के लोगों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए पीएम ने कहा, 'हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपना संकल्प और मजबूत करना होगा।

हमें एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देना होगा। आज दुनिया देख रही है, इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है।'पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम हमले की निंदा करते हुए कई देशों ने देश के साथ एकजुटता दिखाई है।

लाडकी बहिन योजना और बिजली बिल माफी पर 65,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही सरकार: अजित पवार

मुंबई, 27 अप्रैल। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को कहा कि सात लाख करोड़ रुपये के बजट में से राज्य सरकार 3.5 लाख करोड़ रुपये कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और ऋण पर खर्च कर रही है, जबकि 65,000 करोड़ रुपये लाडकी बहिन योजना और किसानों के लिए बिजली माफी योजना पर खर्च किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इन मदों के तहत 4.15 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बाद शेष राशि विकास कार्यों में खर्च की जा रही है। परभणि में अपनी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की एक बैठक को संबोधित करते हुए पवार ने यह भी कहा कि पार्टी के जो कार्यकर्ता राजनीतिक नेता बनना चाहते हैं, उन्हें (सरकारी कार्यों के लिए) ठेकेदार नहीं बनना चाहिए। राज्य सरकार के व्यय के बारे में बात करते हुए, वित्त मंत्री पवार ने कहा, सरकार किसानों के लिए बिजली बिल माफी योजना के तहत महाराष्ट्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) को 17,000 से 20,000 करोड़ रुपये दे रही है। राज्य को एक साल में लाडकी बहिन योजना के लिए 45,000 करोड़ रुपये की जरूरत है। उन्होंने कहा, राज्य का बजट परिव्यय 7 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से 3.5 लाख करोड़ रुपये वेतन, पेंशन और ऋण चुकाने पर खर्च किए जाते हैं, जबकि 65,000 करोड़ रुपये उपरोक्त दो (लाडकी बहिन और बिल माफी) योजनाओं पर खर्च किए जाते हैं। शेष राशि से हम राज्य के विकास कार्यों में खर्च करने की कोशिश कर रहे हैं।

विशाखापत्तनम स्वर्ण आंध्र दृष्टिकोण को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाएगा: मुख्यमंत्री नायडू

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम स्वर्ण आंध्र के तहत लक्ष्यों को प्राप्त करने में अहम साबित होगा। स्वर्ण आंध्र दृष्टिकोण के तहत नायडू का आंध्र प्रदेश को 2047 तक एक समृद्ध राज्य बनाने का लक्ष्य है। उनका लक्ष्य है कि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2,40,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचे और प्रति व्यक्ति आय 42,000 अमेरिकी डॉलर हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर को वित्तीय राजधानी और ज्ञान केंद्र में बदलने के पर्याप्त अवसर हैं। नायडू ने शनिवार को आंध्र मेडिकल कॉलेज के शताब्दी भवन के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ह्यह्यआंध्र प्रदेश में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाला विशाखापत्तनम स्वर्ण आंध्र के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नायडू ने कहा कि अगले दो से तीन वर्षों में शहर में कई बड़े परिवर्तन होंगे। उन्होंने कहा कि भोगापुरम हवाई अड्डे एवं निश्चित अवधि में मेट्रो रेल का निर्माण पूरा करने के साथ भविष्य में कई नयी परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

प्रधानमंत्री मोदी बृहस्पतिवार को मुंबई में पहले वेव्स शिखर सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को मुंबई में पहले विश्व दृश्य-श्रव्य और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) का उद्घाटन करेंगे। यह चार दिवसीय कार्यक्रम है, जिसमें मीडिया और मनोरंजन जगत के दिग्गज शामिल होंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मीडिया और मनोरंजन जगत की शीर्ष हस्तियों के साथ बातचीत कर सकते हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव भी शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। इसमें अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, मोहनलाल, हेमा मालिनी और चिरंजीवी जैसे शीर्ष अभिनेताओं के भाग लेने की उम्मीद है।

शिखर सम्मेलन में विषय-आधारित पूर्ण सत्र और चर्चाएं होंगी, जिनका उद्देश्य भारत और अन्य स्थानों पर दृश्य-श्रव्य जगत के भविष्य को आकार देना है। विदेश मंत्री एस जयशंकर वैश्विक मीडिया वार्ता की अध्यक्षता कर सकते हैं, जिसमें कई देशों के मंत्री, मीडिया जगत के दिग्गज और नीति निमार्ता भाग लेंगे।अधिकारियों ने बताया कि मुंबई को वेव्स शिखर सम्मेलन का स्थायी स्थल बनाए जाने की उम्मीद है। इसे मीडिया और मनोरंजन जगत का सबसे बड़ा सम्मेलन कहा जा रहा है, जो कि व्यापार और अर्थव्यवस्था क्षेत्र के लिए दावोस में होने वाली विश्व आर्थिक मंच की बैठक के समान है। पहले दिन की शुरूआत लेजेंड्स एंड लेगेसीजः द स्टोरीज दैट शेप्ड इंडियाज सोल शीर्षक पर एक पैनल चर्चा से होगी, जिसमें अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती, रजनीकांत, मोहनलाल और चिरंजीवी शामिल होंगे। इस सत्र का संचालन अभिनेता अक्षय कुमार करेंगे।

खाद्य सुरक्षा से किसान समृद्धि की ओर बढ़ने का समयः उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को यहां कहा कि राष्ट्रीय कृषि एजेंडे के तहत अब खाद्य सुरक्षा से किसान समृद्धि की ओर बढ़ने का समय आ गया है। उन्होंने तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) में छात्रों और अन्य लोगों से कहा कि 46 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, जबकि इसका सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16 प्रतिशत योगदान है। धनखड़ ने विकसित भारत के लिए कृषि - शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहन विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि टीएनएयू जैसे संस्थानों को अनुभवी कृषि वैज्ञानिक डॉ एम एस स्वामीनाथन की विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए। स्वामीनाथन टीएनएयू के पूर्व छात्र थे। उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने की जरूरत है। धनखड़ ने कहा कि भारत अब कृषि उत्पादों का शुद्ध निर्यातक है और हमारे कुल निर्यात में कृषि खाद्य उत्पादों का हिस्सा 11 प्रतिशत से अधिक है। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा, आपको एक नया अध्याय लिखना होगा। अब समय आ गया है कि हमारे राष्ट्रीय कृषि एजेंडे को खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़ाया जाए... हमें खाद्य सुरक्षा से किसान समृद्धि की ओर बढ़ना चाहिए।

एनआईए ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच अपने हाथ में ली

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच अपने हाथ में ले ली है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवाद रोधी एजेंसी के एक पुलिस महानिरीक्षक, एक पुलिस उपमहानिरीक्षक और एक पुलिस अधीक्षक की निगरानी में गठित टीम जम्मू-कश्मीर में पहलगाम की बैसरन घाटी में मंगलवार को हुए हमले के प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में सबसे भीषण आतंकवादी हमलों में से एक को अंजाम देने संबंधी घटनाक्रम का पता लगाने के लिए प्रत्यक्षदशियों से गहन पूछताछ की जा रही है।

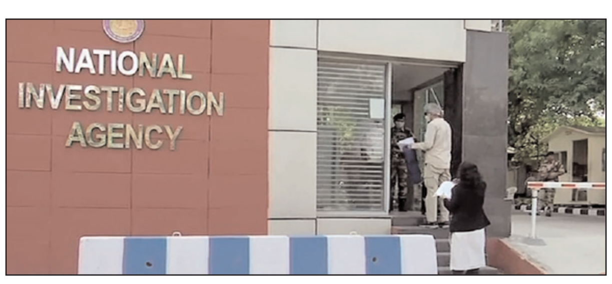

अधिकारियों ने बताया कि एनआईए की टीम आतंकवादियों के बारे में सुराग हासिल करने के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं की गहन जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की मदद से ये टीम पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं ताकि उस आतंकवादी साजिश का पदार्फाश करने के लिए सबूत जुटाए जा सकें जिसके कारण यह भयावह हमला हुआ। इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए की टीम हमलास्थल पर बुधवार से ही डेरा डाले हुए हैं और उन्होंने सबूतों की तलाश तेज कर दी है।एनआईए ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश के बाद पहलगाम आतंकवादी हमले के मामले की जांच अपने हाथ में ली है।

दिल्ली उच्च न्यायालय का पाकिस्तानी महिला की वीजा संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शनिवार को एक पाकिस्तानी महिला की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें केंद्र को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि उसका आवासीय परमिट निलंबित न किया जाए और उसकी मियाद बढ़ाई जाए।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने दिन में विशेष सुनवाई करते हुए कहा कि 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा निलंबित करने के केंद्र के फैसले की न्यायिक समीक्षा की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से किया गया है।

न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि केंद्र के आदेश में कोई अपवाद बनाना अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। भारतीय व्यक्ति से विवाहित पाकिस्तानी महिला ने वीजा रद्द किये जाने के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया। महिला ने अदालत से आग्रह किया कि वह प्राधिकारियों को उसके दीर्घकालिक वीजा के अनुरोध पर विचार करने का निर्देश दे।

भारत के लिये स्थाई सिरदर्द बन चुका आतंक पोषक पाकिस्तान

-तनवीर जाफरी

-तनवीर जाफरी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए बर्बरतापूर्ण व अमानवीय आतंकी हमले को देश जल्दी भुला नहीं पायेगा। इसमें 27 बेगुनाहों की जान चली गई जिनमें अधिकांश देश के विभिन्न राज्यों से आये हुये पर्यटक शामिल थे। इस अमानवीय घटना की जितनी भी निंदा की जाये वह कम है। इस घटना के बाद राजनीति, भारतीय मीडिया, सोशल मीडिया, पक्ष और विपक्ष से जुड़े कई ऐसे पहलू थे जिनपर चर्चा होनी स्वभाविक थी और वह हुई भी। जैसे इस त्रासदी को मुख्य धारा के कहे जाने वाले टी वी चैनल्स ने हमले के बाद 'एजेंडा रिपोर्टिंग' की तर्ज पर पेश कर देश में विभाजनकारी माहौल बनाने की पूरी कोशिश की। इस आतंकी हमले को हिंदू बनाम मुस्लिम के रूप में पेश करने का भरसक प्रयास किया। इन टी वी चैनल्स को हमले के बाद कश्मीर सहित पूरे देश में इस हमले के विरुद्ध उपजी सहानुभूति,एकजुटता, पर्यटकों को बचाने,उन्हें पनाह देने व आतंकियों का बहादुरी से मुक़ाबला करते हुये स्थानीय कश्मीरी की जान देने व पर्यटकों के प्रति मानवता से पेश आने के दृश्य नजर नहीं आये। न ही सुरक्षा एजेंसियों की लापरवाही न ही 'आपदा में अवसर ' ढूंढने वाली विमानन कंपनियों द्वारा आतंकी हमले की दहशत के परिणामस्वरूप पर्यटकों की वापसी की भारी भीड़ को देखते हुये उनसे आठ से दस गुना तक अधिक किराया वसूल किया जाना दिखाई दिया।

बहरहाल 22 अप्रैल से लेकर अब तक इस विषय को लेकर दोनों देशों की ओर से कई कदम उठाये जा चुके हैं। भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध जो अहम फैसले लिए हैं उनमें मुख्य रूप से भारत-पाकिस्तान के बीच हुये सिंधु जल समझौते को स्थगित करना,अटारी बॉर्डर को बंद करना,भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को इसी मार्ग से लौटने के लिए 1 मई तक की समय सीमा निर्धारित करना,पाकिस्तानी नागरिकों को भारत का वीज़ा न देना,भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय देना, सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीज़ा रद्द करना, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी हाईकमीशन में तैनात पाकिस्तानी डिफेन्स एडवाइजर्स को भारत छोड़ने के लिए एक हफ़्ते का समय देना, तथा दोनों हाई कमीशन में तैनात कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 तक किया जाना शामिल है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारत के विरुद्ध कई फ़ैसले लिये हैं जिनमें भारत के साथ हुआ शिमला समझौता स्थगित करना,वाघा बॉर्डर से व्यापार पूरी तरह बंद करना,30 अप्रैल तक जिन लोगों ने वैध कागज़ों के साथ इस रास्ते से पाकिस्तान प्रवेश किया है, उन्हें वापस लौटने का निर्देश देना,सार्क वीज़ा छूट योजना के तहत भारतीय नागरिकों को दी गई वीज़ा छूट ख़त्म करना (सिख तीर्थयात्रियों को छोड़कर), भारतीय हाई कमीशन में काम कर रहे सैन्य सलाहकारों झ डिफ़ेंस, नेवी और एयर अटैची को अवांछित व्यक्ति([illegible]) घोषित करना और उन्हें व उनके सहायक स्टाफ को 30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश देना, इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के कर्मचारियों की संख्या घटाकर 30 करना,पाकिस्तानी एयरस्पेस को अब भारतीय स्वामित्व या संचालन वाली सभी एयरलाइंस के लिए बंद करना तथा हर प्रकार का व्यापार चाहे वह सीधे भारत से हो या किसी तीसरे देश के जरिए, तत्काल प्रभाव से बंद कर देना जैसी घोषणायें शामिल हैं।

उधर दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध उठाये जा रहे इन कदमों के बीच पाकिस्तान की ओर से की गयी एक ऐसी स्वीकारोक्ति ने भारत द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध लगभग चार दशकों से लगाये जा रहे इन आरोपों को सच साबित कर दिया है कि पाकिस्तान आतंकवाद की नर्सरी भी है और पनाहगाह भी। गौरतलब है कि स्काई न्यूज़ के संवाददाता ने पहलगाम में आतंकी हमले के सन्दर्भ में जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ़ से पूछा कि- ₹क्या आप मानते हैं कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है ? तो ख़्वाजा आसिफ़ ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया कराने के साथ-साथ उन्हें हर तरह से समर्थन करता रहा है। ख़्वाजा आसिफ़ ने एक बातचीत के दौरान कहा कि - ₹हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए करीब तीन दशकों से यह गंदा काम कर रहे हैं।₹ इसे दूसरे शब्दों में कहा जाये तो पाकिस्तान अमेरिका व ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों की कठपुतली बनकर आतंकवाद की पनाहगाह व आतंकवादियों का 'मुख्य उत्पादक देश' बना हुआ है। रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ़ ने यह भी कहा कि -'यदि हम सोवियत संघ के विरुद्ध युद्ध में और बाद में 9/11 के बाद के युद्ध में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।'

परन्तु सच पूछिये तो धर्म के आधार पर भारत से विभाजित होकर 1947 में ही अलग अस्तित्व में आने वाले पाकिस्तान में शुरू से ही अधर्म,जोर जबरदस्ती,कट्टरपंथ,हिंसा व आतंकवाद का बोल बाला रहा है। और समय के साथ ही यह और भी बढ़ता ही गया है। पाकिस्तानी नेताओं व शासकों द्वारा पोषित व प्रायोजित आतंकवाद का पहला निशाना तो पूर्वी पाकिस्तान (तत्कालीन) के लोग ही बने। बड़े पैमाने पर हत्यायें बलात्कार क्या नहीं किया गया बंगाली मुसलमानों के साथ ? तब कहाँ चला गया था इनका 'इस्लामी राष्ट्र '? क्यों 24 वर्षों में ही पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश वजूद में आया ? उसके बाद पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों विशेषकर हिन्दुओं,सिखों,शिया व अहमदिया मुसलमानों पर अत्याचार करने व उनकी हत्याओं का सिलसिला भी कोई केवल तीन दशक की कहानी नहीं है बल्कि यह सब पिछले दशकों से पाकिस्तान के वजूद में आते ही शुरू हो गयी थी। स्वयं राष्ट्रपति जियाउलहक के दौर में पाकिस्तान में कट्टरपंथ व आतंकवाद ख़ूब फला फूला। इसी पाकिस्तान में धर्म के नाम पर आत्मघातियों की भर्ती की गयी जिन्होंने मस्जिदों,दरगाहों,इमाम बारगाहों व अनेक धार्मिक जुलूसों में अब तक हज़ारों लोग मारे। उसके बाद इसी पाकिस्तान ने तालिबानों को शुरूआती दौर में पूरा संरक्षण दिया। उनके कार्यालय तक खोले गये और ओसामा बिन लादेन व मुल्ला उमर के समय में तालिबानी प्रवक्ता पाकिस्तान में बैठकर पत्रकार वार्ता करता था तालिबानी नीतियों को सार्वजनिक करता था। अफ़ग़ानिस्तान की कट्टरपंथी तालिबानी सरकार को मान्यता देने वाला पहला देश पाकिस्तान ही था। पाकिस्तान में पोषित तालिबानी ही आगे चलकर कट्टरपंथी व आतंकी गिरोह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के नाम से जाने गये। और यही बाद में पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान सीमा के करीब संघीय प्रशासित कबायली क्षेत्र के चरमपन्थी उग्रवादी गुटों के संगठन के रूप में स्थापित हुये। इसका मक़सद पाकिस्तान में शरिया पर आधारित एक कट्टरपन्थी इस्लामी अमीरात को कायम करना था। इस संगठन ने भी कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के प्रयास किये थे। तहरीक-ए-तालिबान ही वह संगठन था जिसके छः आतंकियों ने 16 दिसम्बर 2014 को पेशावर के सैनिक स्कूल पर हमला करके पाक फ़ौजियों के ही 126 बच्चों की हत्या कर दी थी।

इन सब वास्तविकताओं के बावजूद जब जब पाकिस्तान पर आतंकवाद फैलाने या उसे संरक्षण देने का आरोप भारत द्वारा लगाया जाता तो पाकिस्तान यह कहकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश करता कि 'वह तो स्वयं आतंकवाद का दंश झेल रहा है और इसका भुक्तभोगी है '। परन्तु पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ़ की ताजातरीन स्वीकारोक्ति से यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान आतंक फैलाने का केवल आरोपी ही नहीं बल्कि दोषी भी है। मसूद अजहर,कंधार विमान अपहरण, हाफिज सईद,कसाब, पहलगाम का ताजातरीन अमानवीय हमला ऐसे दर्जनों सुबूत हैं जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तान द्वारा पोषित व संरक्षित आतंकवाद भारत के लिये स्थाई सिरदर्द बन चुका है लिहाजा इसका स्थाई समाधान होना भी जरूरी है।

भारत विभाजन के बाद भारत और पाकिस्तान कई बार पहुंचे युद्ध के मुहाने पर

अशोक भाटिया

पहलगाम में जो नरसंहार हुआ उसके बाद भारत बदला लेने की तैयारी कर रहा है। बदला सर्जिकल स्ट्राइक, एयरस्ट्राइक के जैसा होगा या फिर इससे बहुत बड़ा होगा। इसका अंदाजा इस बात से लगा लीजिए कि आईएनएस विक्रांत 18 फाइटर जेट लेकर समुद्र में उतर चुका है। सेना का डिप्लायमेंट लगातार बॉर्डर पर हो रहा है। सेना के प्रमुख खुद पहलगाम पहुंच चुके हैं और राज्यपाल के साथ सीएम से बात की। साथ गृह मंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से बात की और राष्ट्रपति के पास गृह मंत्री और विदेश मंत्री एक लाल रंग की फाइल लेकर गए। जिसमें क्या था ये अब तक पता नहीं चल पाया है। मतलब बदला तो इस बार भारत का ऐसा होगा कि पाकिस्तान पानी नहीं मांगेगा। लेकिन इस हमले से पहले ही पाकिस्तान बुरी तरह बौखलाया हुआ नजर आ रहा है। यह कोई पहली बार नहीं है जब भारत और पाकिस्तान युद्ध के मुहाने पर पहुंचे हों। इससे पहले भी कई मौके आए हैं जब दोनों मुल्कों के बीच तनाव इस कदर बढ़ा कि हालात जंग जैसे बन गए। 1947, 1965 और 1971 में तो दोनों देशों के बीच युद्ध भी हुए थे। अब एक बार फिर इतिहास दोहराने की स्थिति में दोनों देश खड़ा है। आईये जानते हैं कि, 1971 युद्ध के बाद कब-कब भारत और पाकिस्तान जंग के करीब पहुंचा और क्या परिणाम रहे।

दिसंबर 1986 में भारत ने ऑपरेशन ब्रासस्टैक्स शुरू किया था। इसकी कल्पना तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कृष्णास्वामी सुंदरजी ने की थी। 1986-1987 की सर्दियों में, भारत ने टैंकों और सैनिकों को ऐसे उतारा, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से शांति के समय में नहीं देखा गया था। भारत के ऑपरेशन ब्रासस्टैक्स ने पाकिस्तान को चौंका दिया। जनवरी 1987 में, लगभग आधी भारतीय सेना पाकिस्तान सीमा के पास तैनात थी। जिसमें 10 डिवीजन और तीन ब्रिगेड शामिल थे, जो पाकिस्तान सीमा से 180 किमी के भीतर तैनात थे। ऑपरेशन ब्रासस्टैक्स दुनिया द्वारा देखे गए किसी भी नाटो अभ्यास से बड़ा था। पंजाब में उग्रवाद और कश्मीर में पाकिस्तान निर्मित अशांति ने भारत की स्थिरता को चुनौती दी, जिसके कारण भारत को 1987 में ऑपरेशन ब्रासट्रैक का सहारा लेना पड़ा।

कश्मीर-पंजाब की सीमाओं पर लामबंदीः जल्द ही ऑपरेशन ब्रासटैक्स का ध्यान जम्मू-कश्मीर और पंजाब पर चला गया। क्योंकि पाकिस्तान ने अपने स्ट्राइक रिजर्व को इन संवेदनशील क्षेत्रों के करीब पहुंचा दिया। इसका मुकाबला करने के लिए, भारत ने किसी भी आश्चर्यजनक हमले को रोकने के लिए अपनी सैन्य स्थिति का विस्तार किया। पाकिस्तान की इस तैनाती से भारत के प्रमुख क्षेत्रों, गुरदासपुर, अमृतसर और फिरोजपुर को अलग-थलग करने की धमकी दी गई। क्योंकि उसने हरिके बैराज पर पुल को निशाना बनाया, जिससे जम्मू और कश्मीर क्षेत्र तक पहुंच बंद हो गई। ₹इसके बाद भारत ने सीमा पर अपनी रक्षात्मक स्थिति पर कब्जा करने के लिए सैनिकों की एक बड़ी हवाई और जमीनी आवाजाही की, जिसके परिणामस्वरूप तनाव और बढ़ गया। इन बढ़ते तनावों के बीच ए.क्यू. खान ने खुलासा किया कि पाकिस्तान ने हथियार स्तर तक यूरेनियम को समृद्ध कर लिया है और वह परमाणु परीक्षण कर सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि, ₹कोई भी पाकिस्तान को नष्ट नहीं कर सकता या हमें हल्के में नहीं ले सकता। यदि आवश्यक हुआ तो हम बम का उपयोग करेंगे। मार्च 1987 में भारत और पाकिस्तान ने कश्मीर क्षेत्र से 1,50,000 सैनिकों को वापस बुलाने के लिए एक समझौता किया। जिसके बाद उसी महीने राजस्थान और दक्षिणी पंजाब के रेगिस्तानी इलाकों में सैन्य उपस्थिति को कम करने के लिए एक दूसरा समझौता हुआ। हालांकि, मार्च 1987 में भारतीय सेना ने 1,50,000 सैनिकों के साथ ऑपरेशन ब्रासट्रैक्स का अंतिम चरण शुरू किया। 1990 में दोनों देश फिर से एक बड़े युद्ध के मुहाने पर खड़े थे। खबरों के मुताबिक, भारत ने एक बार फिर हथियारों और सैन्य उपकरणों के विशाल जखीरे के साथ राजस्थान की सीमा पर सशस्त्र बटालियनों को तैनात किया था।

कश्मीर और पंजाब में सशस्त्र समूहों की गतिविधियों से चिंतित होकर, अगस्त 1989 के प्रारम्भ में, भारत सरकार ने अपने बलों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया, जिसमें मुख्य रूप से अर्धसैनिक बल शामिल थे। बाद में पैदल सेना बटालियनों को भी इसमें शामिल किया गया। पाकिस्तान ने भारत के साथ सीमा के उसी हिस्से में ह्यजर्ब-ए-मोमिन नाम से कोर-स्तरीय सैन्य अभ्यास भी शुरू किया। बड़े पैमाने पर किए गए इस अभ्यास में तीन फील्ड कोर, दो बख्तरबंद ब्रिगेड, दो आर्टिलरी डिवीजन और पाकिस्तानी सेना की एक एयर-डिफेंस डिवीजन की तैनाती शामिल थी। इसे देश का अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास माना गया।

13 मार्च, 1990 को पाकिस्तान की तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने पीओके में उतरकर कश्मीरी उग्रवादियों के समर्थन में भारत के खिलाफ ₹हजार साल तक युद्ध₹ की घोषणा की। मई में, अमेरिकी जासूसी उपग्रहों ने कथित तौर पर कहुटा में शीर्ष-गुप्त परमाणु हथियार परिसर से भारतीय सीमा के पास एक सेना के एयरबेस की यात्रा कर रहे पाकिस्तानी सैन्य वाहनों की तस्वीरें खींचीं। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल मिर्जा असलम बेग ने कहा है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने 1990 में वायु सेना (पीएएफ) को भारतीय परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने के लिए तैयार रहने को कहा था।

खोजी पत्रकार सेमोर हर्ष के अनुसार, भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी। सिंह ने परमाणु खतरे की आशंका नहीं जताई थी। लेकिन उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि वह बिना युद्ध के कश्मीर पर कब्जा नहीं कर सकता।

आर्म्स कंट्रोल एसोसिएशन के अनुसार, मई 1990 में राष्ट्रपति बुश ने अपने उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गेट्स को इस क्षेत्र में भेजा। भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ उनकी बैठकों ने स्थिति को शांत करने में मदद की। भारत ने वर्ष की शुरूआत में तैनात की गई कुछ इकाइयों को वापस बुलाने की घोषणा की और संकट कुछ ही हफ्तों में समाप्त हो गया। बुश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बाद में दिए गए विवरणों में संकट को परमाणु युद्ध के करीब बताया गया।

कारगिल में भारत और पाकिस्तान पूर्ण युद्ध के करीबः 1999 में, कश्मीरी लड़ाकों की वेशभूषा में पाकिस्तानी सैनिकों ने कश्मीर के कारगिल सेक्टर में रणनीतिक चोटियों पर कब्जा कर लिया था। भारत ने चोटियों को वापस पाने के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चलाया। भारी तोपखाने की लड़ाई और हवाई हमलों के साथ स्थिति तेजी से बिगड़ती गई। भारत ने संघर्ष को आगे नहीं बढ़ाया और छडउ के अपने हिस्से पर ही रहा। आखिरकार भारत पाकिस्तानी घुसपैठियों को भारतीय क्षेत्र से बाहर निकालने में कामयाब रहा।

भारतीय संसद पर हमलाः 2001 में जब जैश-ए-मोहम्मद ने भारतीय संसद पर हमला किया, तब भारत और पाकिस्तान लगभग युद्ध के कगार पर थे। संसद पर हमले के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बड़े पैमाने पर सेना जुटाई। भारत ने ऑपरेशन पराक्रम के तहत अपनी सेना जुटाई और पाकिस्तान ने भी इसी तरह की सेना जुटाई। लगभग 10 महीनों तक, दक्षिण एशिया हाई अलर्ट पर रहा। तनाव को कम करने के लिए विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य राज्यों द्वारा गहन कूटनीतिक प्रयास किए गए। आखिरकार, दोनों पक्षों ने अपनी सेना वापस बुला ली।

26/11 आतंकवादी हमलाः 26 नवंबर 2008 को, भारत और पाकिस्तान एक बार फिर प्रत्यक्ष सैन्य टकराव की ओर अग्रसर होने की आशंका तब बढ़ गई जब आतंकवादियों ने मुंबई की घेराबंदी की। तीन दिनों में, 166 लोग मारे गए, जिनमें छह अमेरिकी शामिल थे। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों ने पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा को हमले के लिए दोषी ठहराया। यद्यपि युद्ध के लिए व्यापक सार्वजनिक समर्थन था, लेकिन भारत सरकार ने तनाव बढ़ाने के बजाय, हमले के अपराधियों को न्याय दिलाने के लिए पाकिस्तानी सरकार के साथ सहयोग की मांग करके कूटनीतिक मार्ग अपनाया।

उरी में आतंकवादी हमला और भारत का सर्जिकल स्ट्राइकः सितंबर 2016 में आतंकवादियों ने नियंत्रण रेखा के पास उरी में एक दूरस्थ भारतीय सेना के बेस पर हमला किया। 18 भारतीय सैनिक मारे गए। भारतीय अधिकारियों ने हमले के पीछे आईएसआई से कथित संबंध रखने वाले एक अन्य समूह जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का हाथ होने का आरोप लगाया। जवाब में, भारतीय सेना ने घोषणा की कि उसने पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर के अंदर आतंकवादी शिविरों पर ₹सर्जिकल स्ट्राइक₹ की है। इस अवधि को सीमा पर झड़पों में उछाल द्वारा चिह्नित किया गया था जो 2016 के अंत में शुरू हुआ और 2018 तक जारी रहा। नियंत्रण रेखा के दोनों ओर दर्जनों लोग मारे गए और हजारों नागरिक विस्थापित हुए।

पुलवामा और बालाकोट हमलाः फरवरी 2019 में, भारतीय प्रशासित कश्मीर के पुलवामा में भारतीय अर्धसैनिक बलों के काफिले पर हुए हमले में कम से कम 40 सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह खीट द्वारा लिया गया। यह हमला तीन दशकों में कश्मीर में सबसे घातक हमला था। भारत ने पाकिस्तानी क्षेत्र के भीतर आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को निशाना बनाकर हवाई हमला करके जवाबी कार्रवाई की। इनका जवाब पाकिस्तानी हवाई हमलों से भारतीय प्रशासित कश्मीर पर दिया गया। यह हवाई मुठभेड़ में बढ़ गया, जिसके दौरान पाकिस्तान ने दो भारतीय सैन्य विमानों को मार गिराया और एक भारतीय पायलट को पकड़ लिया। पायलट को दो दिन बाद रिहा कर दिया गया।

कायरता की कीमत पाकिस्तान चुकाएगा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद उपजे आक्रोश को देखते हुए भारत सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में कुछ कुटनीतिक कदम उठाए गए हैं। इनमें सबसे अहम है सिंधु जल संधि की स्थगित करना। राजनयिक उपस्थिति न्यूनतम करने, पाकिस्तानियों के वीजा रद करने व अटारी-कधा सीमा बंद करने का निर्णय भी लिया गया है।

पाकिस्तान का गठन हो भारत से नफरत के आधार पर हुआ और अपने अस्तित्व में आने के बाद से उसने भारत के साथ अपने संबंध तल्ख बनाए रखे। तल्खी के इस लंबे अध्याय के बीच प्रत्यक्ष एवं परोक्ष युद्धों और निरंतर प्रायोजित आतंकवाद के बावजूद भारत ने 1960 में अस्तित्व में आए सिंधु जल समझौते को कभी स्थगित नहीं किया, लेकिन पहलगाम के बाद ऐसा करने में कोई संकोच नहीं किया। इस स्थगन के कार्यान्वयन और इस मामले के अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठने से जुड़े किंतु परंतु के बीच यह तय है कि यदि इसे अपेक्षित रूप से अमल में लाया जा सका तो पहले से मुश्किलें झेल रहा पाकिस्तान त्राहिमाम करने लगेगा। पाकिस्तान की खेती-किसानी का एक बड़ा हिस्सा इस समझौते से मिलने वाले पानी पर निर्भर है। पानी रुकने से कृषि उत्पादन घटने सिंधु जल संधि स्थगन से भारत का रुख स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तानी जनता अपने सैन्य एवं राजनीतिक नेतृत्व के बहकावे में रहेगी तो उसकी कीमत वह भी चुकाएगी और खाद्य सुरक्षा का नया संकट पैदा हो सकता है। कई पाकिस्तानी शहर भी इसी पानी के भरोसे चलते हैं ती जाहिर है कि उनकी रफ्तार थम जाएगी। सिंधु जल समझौते को विश्व के सबसे उदार पूर्व एकतरफा फायदा पहुंचाने वाले करारों में से एक माना जाता है, जिसका पूरा लाभपाकिस्तान ही उठाता आया है। अतीत में भी कई बार इसे स्थगित करने की बात आई, लेकिन वह आई गई ही रही, क्योंकि भारत की कभी ऐसी मंशा नहीं रही कि पाकिस्तानी सेना और शासकों की करतूतों की कीमत वहां की जनता चुकाए। यहां तक कि 2016 में उड़ी हमले के बाद भी सिर्फ इस अनुबंध का स्वरूप थोड़ा बदला गया, जिससे भारत को भी कुछ लाभ मिले, पर इसे ठंडे बस्ते में डालने का कदम तब भी नहीं उठाया गया। तब पीएम मोदी ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, मगर पहलगाम के बाद लगता है कि भारत का धैर्य अपनी सीमा की पार कर गया, जिसके बाद यह कड़ा कदम उठाना पड़ा। कूटनीतिक कदम यही संकेत करते हैं कि भारत कोई कोर-कसर नहीं छोड़ने बाला। इसके बाद सैन्य मोर्चे पर किसी गतिविधि के जरिये पाकिस्तान को सबक सिखाए जाने की सूरत से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भी है कि आतंकियों को उनकी कल्पना से भी परे सजा दी जाएगे। गुरुवार को कई देशों के राजनयिकों के साथ बैठक में भारत ने वैश्विक समुदाय को वस्तुस्थिति से अवगत भी कराया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत को हरसंभव सहयोग के लिए आश्वस्त भी किया है। भारत की प्रतिक्रिया और गतिविधियों से पाकिस्तान में डर का माहौल स्पष्ट दिख रहा है। जहां सर्जिकल या एयर स्ट्राइक जैसी किसी कार्रवाई की अटकलें लगाई जा रही हैं।

भारतीय कदमों की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान ने शिमला समझौता रद करने और सिंधु जल समझौते को 'युद्धक कार्रवाई' करार देते हुए जबाब देने की धमकी दी है। इस सबके बीच सवाल उठता है कि जब पाकिस्तान खस्ताहाल आर्थिकी से लेकर अलगाववाद जैसी तमाम चुनौतियों से जूझ रहा है, तब उसने पहलगाम हमले जैसा दुस्साहस क्यों किया? यहां इसकी अनदेखी न की जाए कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के हालिया जहरीले भाषण के हफ्ते भर के भीतर पहलगाम में वीभत्स हमले को अंजाम दिया गया। इसके कारणों की पड़ताल करें तो पाएंगे कि पाकिस्तान इस समय अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। एक समय अमेरिकी उपयोगिता के केंद्र में खा पाकिस्तान अब अमेरिकी नीतियों में हाशिए पर पहुंच गया है। इस्लामिक पहचान और एकजुटता को लेकर खाड़ी देशों के दम पर कूदने बाले पाकिस्तान को पश्चिम एशिया में भारत को निरंतर बढ़ती पैठ से भी बड़ा झटका लगा है। ऐसे में इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी बैंस के अत्यंत महत्वपूर्ण भारत दौरे और प्रधानमंत्री मोदी की सऊदी अरब यात्रा के बीच पाकिस्तान ने भारत को गहरा घाव देने का काम किया। स्पष्ट है कि एक समय अपने संरक्षक रहे इन पक्षों का भारत के पाले में झुकना उस पाकिस्तानी फौज को कतई नहीं पच रहा होगा, जो खुद भारत के प्रति अपने देश की नीति को निर्धारित करती आई है। पाकिस्तान में बढ़ते अलगाववाद ने भी फौज की चुनौतियां बढ़ाई हैं, जिससे उसकी अहमियत एवं सक्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। पिछले महीने ही बलुचिस्तान में सैन्यकर्मियों को ले जा रही ट्रेन के अपहरण को लेकर फौज की शर्मसार होना पड़ा था। ऐसे में भारत विरोधी कार्ड की नए सिरे से खेलना उसकी मजबूरी हो गई थी। जनरल मुनीर का हालिया भाषण इसका स्पष्ट उदाहरण है, जिसमें उन्होंने हिंदू-मुस्लिम पहचान, द्विराष्ट्रवाद का समर्थन और कश्मीर का राग फिर से रोड़ा था। पहलगाम हमला उनके इस सैद्धांतिक दृष्टिकोण की मूर्त अभिव्यक्ति है। यह हमला इस लिहाज से भी अलग है कि पूर्व में पाकिस्तान समर्थक आतंकियों ने भारतीय सरकारी या सैन्य प्रतिष्ठानों की ही निशाना बनाया था कि उनकी लड़ाई भारतीय राज्य एवं उसकी व्यवस्था से है, लेकिन इस बार निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया। भारत ने भी सिंधु जल समझौता स्थगित करके यही संदेश दिया कि अब यह लड़ाई नागरिकों के स्तर पर भी पहुंच गई है और पाकिस्तानी शासकों की करतूतों को तपिश जनता की भी झेलनी पड़ेगी। भारत का संदेश स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तानी जनता जिहादी लड़ाई में अपने सैन्य एवं राजनीतिक नेतृत्व द्वारा बरगलाई जाती रहेगी तो उसकी कीमत यह भी चुकाएगे। हमले के पीड़ितों में विभिन्न राज्यों के नागरिकों के शामिल होने के कारण इससे उपजे आक्रोश ने स्मूचे भारत की और एकजुट करने का काम किया है। इसके अतिरिक्त, व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहयोग ने भी भारत के लिए सभी विकल्पों को खोल दिया है।

- डॉ. संतोषकुमार मिश्रा मुंबई

भारत की एकता,अखंडता से स्वाधीनता अवलंबित

संजीव ठाकुर

करीबन आठ सौ से हजार वर्षों की परतंत्रता के बाद अनेक जीवन का बलिदान देने और विभिन्न संघर्षों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इस संघर्ष से प्राप्त स्वतंत्रता को हमें देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता की शक्ति से चिरकाल तक स्थाई रूप से बनाए रखना है अब कभी स्वतंत्रता पर खतरा ना आए यह हमारे देश के दिग्दर्शकों को अपनी कर्मठ जिजीविषा से बनाए रखना होगा। स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद हमारी एकता, अखंडता एवं एकरूपता मजबूत हुई है, पर कतिपय राजनैतिक मंसूबों के कारण आज हम सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता, जातीयता और अलग-अलग भाषाओं के संघर्षों से गुजर रहे हैं। हम आज मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च के विवाद को लेकर विवाद ग्रस्त हो जाते हैं । कभी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी, मराठी, तेलगु, और कभी असमी भाषा के असमंजस में फंस कर एक दूसरे का विरोध जताना शुरू कर देते हैं। मूलतः हमें राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिकता के विद्वेष, ईर्ष्या, जलन और सीमा तथा भाषाई विवाद से परे हटकर देश में अखंडता, सांप्रदायिक सद्भावना का एक शुद्ध वातावरण समाज में तैयार करना होगा, जिसके फलस्वरूप हम विकास की मुख्यधारा में अपना व्यक्तिगत योगदान राष्ट्र के प्रति दे संके। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि ₹भारत संपूर्ण विश्व में एक अकेला ऐसा राष्ट्र है जहां मंदिरों, मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों का एक एकात्मक सह अस्तित्व कायम है। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति सद्भावना एवं किसी भी राष्ट्र की अखंडता एकता एकरूपता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। आतंकवादी कभी अमेरिका और कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक प्रदेशों को अपना निशाना बनाकर आतंक फैलाने का प्रयास करते हैं और आतंकवाद ने कई राज्यों में अपार जनहानि तथा संपत्ति की क्षति पहुंचाई है। इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्रीय एकता अखंडता को भंग करने का पुरजोर प्रयास किया है। राजनीतिक पार्टियों के मंसूबों तथा उनकी महत्वाकांक्षाओं के कारण भी अलग-अलग जातियों संप्रदाय तथा पूजा के पवित्र स्थानों को लेकर समाज को अलग करने का बीजारोपण भी किया है। राजनीतिक पार्टियों के चंद राजनेता वोट बैंक बनाने के लिए कभी अल्पसंख्यकों में अलगाव के बीच बोलने का प्रयास करते हैं। कभी आरक्षण के नाम पर पिछड़े वर्गों को देश की मुख्यधारा से बहकाने का प्रयास करते हैं, और कभी किसी विशेष जाति प्रांत या भाषा के हकदार बन कर देश की एकता, अखंडता को खंडित करने का पुरजोर प्रयास करते हैं। यह अत्यंत निंदनीय एवं चिंतनीय सामाजिक पहलू है, जिस संदर्भ में हमें गहन विचार करने की आवश्यकता भी है। सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य वर्ग सुचारू रूप से भाईचारे में अखंड विश्वास रखते हैं एवं सामान्य जीवन करने में विश्वास रखते हैं। पर राजनैतिक मंसूबों के कारण कुछ राजनेता इन सभी संप्रदायों को आपस में लड़वाकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास करते हैं। पर यह एक अत्यंत विचारणीय पहलू है कि राष्ट्रीय अखंडता एकता तथा सहयोग को बनाए रखने के लिए केवल राजनेता या प्रशासनिक अधिकारियों का कार्य न होकर हम सबका यह कर्तव्य भी है कि हमें एकजुट होकर राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को सदैव बनाए रखने का सतत प्रयास करना चाहिए। हम यदि ऐतिहासिक रूप से देखें की अनेक धर्मो जातियों और अनेक भाषाओं वाला भारत देश पूर्व में अनेक विसंगतियां के बावजूद सदैव एकता के सूत्र में बंधा रहा है। भारत देश में पूर्व में भी अनेक विदेशी जातियां आई और धीरे-धीरे भारत की मूल धारा में समाहित होती गई। भारत में आगमन के साथ इन्हीं जातियों की परंपराएं, विचारधाराएं, संस्कृति, संस्कार भारत की मुख्य धारा में एक रूप हो गई।

और भारत की सांप्रदायिक सौहार्द की भावना आज भी वैसी की वैसी ही है। भारत के जिम्मेदार नागरिक होने के कारण हमारी बड़ी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इस देश की अखंडता एकता समरूपता और परंपरा को मजबूत बनाकर विश्व के सामने एक मिसाल के रूप में पेश करें। यह सार्वभौमिक सत्य है कि कोई देश यदि संगठित एक रूप और शक्तिमान होता है तो सारा विश्व उसकी इस ऊर्जा शक्ति को चिन्हित कर उसका सम्मान करता है। और उस पर आक्रमण या किसी भी तरह के प्रतिबंध लगाने से भयभीत रहता है। जब तक हम एकता के सूत्र में बंधे तब तक हम मजबूत एवं शक्तिशाली हैं और जब हम खंडित या विघटित हुए तब तब देश कमजोर हुआ है। अब हमें इन विघटनकारी ताकतों और विध्वंस कारी शक्तियों को नियंत्रण में लाकर इन्हें देश से बाहर भगाना होगा और इन पर प्रभावी नियंत्रण कर के देश की संप्रभुता एकता को बनाए रखना होगा। इसके लिए देश के संचार माध्यम, मीडिया, साहित्यकारों, कलाकारों को राष्ट्रीय एकता के लिए अपने को समर्पित भाव से सामने लाकर देश की सेवा करनी होगी।

परंपरा तब तक सुंदर है, जब तक वह पंख न काटे, घूंघट हटा, तो सपनों ने उड़ान भरी

-प्रियंका सौरभ

रात के आठ बजे का वक्त था। ढाणी बीरन गांव की चौपाल पर बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे इकट्ठा थे। धीमी हवाओं के बीच चारों तरफ टिमटिमाते दीयों और लालटेन की रोशनी थी। माहौल में एक अजीब-सी उत्तेजना थी – जैसे कोई बड़ा बदलाव दस्तक दे रहा हो।

तभी बुजुर्ग धर्मपाल, जिनकी बात को गांव में विशेष आदर मिलता है, उठे और भारी आवाज में बोलेः बेटी वह है जो हमारे घर को बढ़ाती है। हमारी बेटी भी किसी और के आंगन में रोशनी फैलाएगी। आज से हम प्रण लेते हैं कि किसी बहू-बेटी को यह नहीं कहेंगे कि घूंघट क्यों उतार रखा है। अगर कोई इसका विरोध करेगा तो पंचायत में उसके खिलाफ उचित निर्णय लिया जाएगा। चौपाल में बैठे तमाम लोगों ने एक साथ दोनों हाथ उठाकर इस संकल्प का समर्थन किया। यह महज समर्थन नहीं था, यह सदियों पुरानी एक मानसिकता की बेड़ियों को तोड़ने का सामूहिक निर्णय था। गांव की सरपंच कविता देवी, जो अब तक परंपरा के चलते घूंघट में थीं, धीमे-धीमे आगे बढ़ीं। फिर सबकी नजरों के सामने उन्होंने घूंघट को सिर से पीछे सरका दिया। वह सिर ऊंचा किए, गर्व से मुस्कुराती रहीं – मानो सदियों का एक बोझ उनकी मुस्कान के नीचे झरता जा रहा हो। कविता देवी के इस साहसिक कदम ने बाकी महिलाओं के भीतर भी एक नयी ऊर्जा फूंकी। धीरे-धीरे कई और महिलाएं, जो सिर से पल्लू हटाने से झिझकती थीं, चौपाल में खड़ी होकर बिना घूंघट के सामने आईं। ढाणी बीरन में एक नयी कहानी लिखी जा रही थी–घूंघट से आजादी की कहानी। हरियाणा जैसे राज्य में, जहां घूंघट को लंबे समय तक सम्मान और संस्कार की निशानी माना गया, वहीं दूसरी तरफ इस परंपरा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आत्मविश्वास पर अक्सर अनदेखे पहरे भी लगाए। बहू-बेटियों को घरों में सीमित करना, सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी कम करना–ये सब पर्दा प्रथा के अदृश्य दुष्परिणाम रहे हैं। लेकिन ढाणी बीरन ने आज यह तय कर लिया था कि सम्मान का असली अर्थ नियंत्रण में नहीं, बल्कि बराबरी में है। गांव के बुजुर्ग धर्मपाल मानते हैं कि बदलाव अचानक नहीं आता। ₹समझदारी से काम लेना होता है। अगर हम अपनी बहू-बेटियों को शिक्षा, रोजगार और निर्णय लेने का अवसर देना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपने सोच के पर्दे हटाने होंगे,₹ वे कहते हैं। इसी सोच ने पूरे गांव को एक नई दिशा दी। आज ढाणी बीरन के लोग न सिर्फ घूंघट उतारने की बात कर रहे हैं, बल्कि लड़कियों की पढ़ाई, महिलाओं की पंचायत में भागीदारी और आर्थिक आजादी को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। सरपंच कविता देवी बताती हैं, पहले महिलाएं पंचायत की बैठक में भी परदे के पीछे से बोलती थीं। अब हम चाहती हैं कि बहनें-बहुएं खुलकर अपनी बात रखें। बेटी सिर्फ घर में चूल्हा जलाने के लिए नहीं है, वह गांव का भविष्य संवारने के लिए भी है।

पाकिस्तान को कड़ा जवाब देने का सुनहरा मौका : त्रिलोकीनाथ शुक्ला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जम्मू कश्मीर मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से विख्यात है।वह दिन जब वादियों में गूंजने वाली कश्मीर की शांति अचानक चीखों में बदल गई। पहलगाम, वह स्थान जहाँ भारत की आत्मा हरियाली से झांकती है, जहाँ नदियाँ गीत गाती हैं और पर्वत प्रार्थनाएं करते हैं – वहाँ निर्दोष सैलानियों पर गोलियाँ बरसीं। उनका अपराध सिर्फ यह कि वे भारतवासी थे।

पाकिस्तानी आतंकवादियों ने धर्म पूछ-पूछकर जान ली। 28 मासूम भारतीय – जिनके सपने, परिवार, हँसी सबकुछ एक क्षण में लहूलुहान हो गया। वे जो कश्मीर को देखने आए थे। ऐसे नाजुक घड़ी में पी ओ पर तुरन्त हमला करना चाहिए। इन कड़े शब्दों में युवा समाजसेवक और पत्रकार संदीप शुक्ला ने कश्मीर के पहलगाम में घटित घटना की घोर निंदा करते हुए कहा। शुक्ला ने यह भी कहा कि भारत, जिसने हर युद्ध में विजय पाई – 1965, 1971, 1999 – फिर भी हर बार मानवता की मिसाल कायम की। 1971 में 93 हजार युद्धबंदी सैनिकों को मारने की बजाय सुरक्षित लौटाया। लाहौर पर तिरंगा लहराने के बाद भी आगे नहीं बढ़ा। यही भारत की आत्मा है – क्षमा, सहिष्णुता और शांति। लेकिन क्या यह सहिष्णुता हमारी चुप्पी है ? नहीं। यह हमारी संस्कृति है – शुक्ला ने आतंकियों के हमले के शिकार हुए लोगों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अब बुलेट का जवाब बुलेट से अर्थात गोली का जवाब गोली के शिवाय दूसरा कोई विकल्प शेष नहीं है।

प्रधानमंत्री जनकल्याण योजना के राष्ट्रीय सचिव बनें अनिल उपाध्याय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी जागरूकता अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीत कुमार कौशिक ने सामाजिक कार्यकर्ता अनिल कुमार उपाध्याय को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। जो पूरे देश में प्रधानमंत्री द्वारा संचालित तमाम कल्याणकारी योजनाओं का आम जनमानस में जागरूकता लाने हेतु प्रचार प्रसार करेंगे। और लोगों को पूर्णतया लाभ दिलवाने का कार्य करेंगें। उपाध्याय ने अपनी नियुक्ति पर दिल्ली स्थित संगठन का दिल से आभार जताया है।

जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए : राजा भाऊ सोनटक्के

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में आतंकियों द्वारा किए गए हमले में अनेक निर्दोष पर्यटकों की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से पहचाने जाने वाले जम्मू कश्मीर में जहां आतंकवादियों ने भारतीय पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर बेरहमी से हत्या कर दी। इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए हिंदू राष्ट्र सेवा संगठन महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने जम्मू कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। हिंदू राष्ट्र सेवा संगठन महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कश्मीर की घटना न केवल हिंसा का मामला है, बल्कि हिंदू विरोधी और भारत विरोधी साजिश का हिस्सा है।, कश्मीर में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए और चरमपंथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।सोनटक्के के अनुसार पाकिस्तान में आतंकवादियों और उनके ठिकानों के खिलाफ इजरायल की तर्ज पर सीधी सैन्य कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकार को देश की अखंडता और हिंदुओं के अस्तित्व के मुद्दे को केंद्र में रखकर निर्णायक भूमिका निभानी चाहिए। ऐसी मांग हिन्दू राष्ट्र सेवा संगठन महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से की है।

द बॉडी शॉप इंडिया ने कीमतों में कटौती की रणनीति अपनाई

मुंबई(उत्तरशक्ति)। द बॉडी शॉप इंडिया ने अपने 12 सबसे लोकप्रिय उत्पादों की कीमतें कम करने की रणनीति शुरू की है। इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को इस ब्रांड से जोड़ना और उन्हें इसकी दुनिया से परिचित कराना है। यह रणनीति भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद को समझने और ब्यूटी बाजार में प्रतिस्पर्धा में आगे बने रहने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। क्वेस्ट रिटेल के ग्रुप सीईओ राहुल शंकर ने कहा, ह्लयह दूरदर्शी रणनीति हमारे मूल्यों पर आधारित है और ग्राहकों की वास्तविक जरूरतों से प्रेरित है। बीते दो दशकों से भारतीय ग्राहकों ने हमारे मूल्यों और सिद्धांतों के लिए हमें पसंद किया है। यदि हमें सचमुच समावेशी बनना है, तो उत्पादों की पहुंच को अधिक सार्थक और स्थायी बनाना होगा। हमारा उद्देश्य अगली पीढ़ी के लिए नैतिक सौंदर्य को सुलभ बनाना है, चैनल और जेंडर से परे, मूल्यों से प्रेरित और जागरूक उपभोग को ध्यान में रखते हुए। इस रणनीति के समर्थन में द बॉडी शॉप इंडिया ने मोर लव फॉर लेस नाम से एक नया अभियान शुरू किया है, जो नई कीमतों के प्रति ग्राहकों के उत्साह, खुशी और अपनापन को उजागर करता है। डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण के तहत तैयार यह अभियान भारतीय उपभोक्ताओं की विविधता को रचनात्मक रूप से दशार्ता है। यह उपभोक्ताओं की अनगढ़, असली प्रतिक्रियाओं को सामने लाता है-कैसे वे इस बदलाव को अपना रहे हैं, ट्रेंड के अनुसार प्रोडक्ट्स खरीद रहे हैं, दिल खोलकर उपहार दे रहे हैं और अपने पसंदीदा रिचुअल्स को फिर से जी रहे हैं। यह कहानी भावनात्मक रूप से जुड़ती है और हर आयु वर्ग के किरदारों को शामिल करती है। वही भरोसेमंद सामग्री और विश्वसनीय फॉर्मूलेशन अब बेहतर कीमतों पर उपलब्ध कराकर द बॉडी शॉप यह दिखा रही है कि वह अपने ग्राहकों की परवाह करती है। इस रणनीतिक बदलाव के साथ, द बॉडी शॉप ने उन उत्पादों को और सुलभ बना दिया है, जिन्हें उपभोक्ता पहले से पसंद करते हैं और जिन पर उन्हें भरोसा है। यह कोई तात्कालिक या प्रतिक्रियात्मक निर्णय नहीं है, बल्कि सभी बिक्री चैनलों पर ब्रांड की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। नैतिक सोर्सिंग, उच्च गुणवत्ता और ब्रांड मूल्यों को बनाए रखते हुए कीमतों में कटौती करके द बॉडी शॉप भारत के तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी ब्यूटी बाजार में निरंतर विकास और ग्राहक वफादारी के लिए मजबूत आधार बना रहा है।

समाजसेवी स्व. चंद्रशेखर आर शुक्ल को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रामलीला उत्सव समिति एवं लोकाधिकार सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष, समाज के सच्चे पुरोधा, अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों का सफल नेतृत्व करने वाले, हजारों कन्याओं का विवाह अपनी पुत्री की तरह कर समाजसेवा को नया आयाम देने वाले प्रखर राम भक्त स्वर्गीय चंद्रशेखर आर शुक्ल को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु शनिवार को दीप प्रज्वल के साथ भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन मुंबई के घाटकोपर पूर्व लायंस कम्युनिटी हॉल में किया गया। इस अवसर पर मुंबई ही नहीं, अपितु देश के विभिन्न हिस्सों से पधारे अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रमुख अतिथियों में पूर्व सांसद, शिवसेना प्रवक्ता व उपनेता संजय निरुपम, विधायक राम कदम, पूर्व मंत्री चंद्रकांत त्रिपाठी, समाजसेवी विजय पंडित,

पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री अमरजीत मिश्र, सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, सदविचार मंच के संस्थापक डॉ राधेश्याम तिवारी, महाराष्ट्र एन सी पी नेता श्रीकांत मिश्रा, प्रभाकर निगम, पूर्व चीफ कमिश्नर कस्टम,मनोज कृष्णा पूर्व चीफ कमिश्नर कस्टम मुंबई,उत्कर्ष तिवारी कमिश्नर सी जीएसटी, मनीष मोहन कमिश्नर कस्टम जीएसटी, चंद्रशेखर मिश्रा पूर्व कमिश्नर कस्टम एंड जीएसटी, अखिलेश पांडेय कमिश्नर सी जीएसटी, विवेक पांडेय कमिश्नर कस्टम, संतोष मिश्रा कमिश्नर कस्टम, पी के सिन्हा एडिशनल कमिश्नर सी जीएसटी,पंकज झा डिप्टी कमिश्नर

कस्टम, के एस मिश्रा पूर्व कमिश्नर कस्टम मुंबई, ए के गोस्वामी पूर्व एडिशनल कमिश्नर, बी पी शुक्ला पूर्व कमिश्नर कस्टम, डी एन शुक्ला पूर्व डिप्टी कमिश्नर कस्टम, शिव सेना नेता जयप्रकाश सिंह, वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह,वरिष्ठ पत्रकार नवीन पांडेय,प्रो दयानंद तिवारी, पूर्व मंत्री रमेश दुबे के सुपुत्र भवन निमार्ता पप्पू दुबे, फिल्म यूनियन अध्यक्ष अशोक दुबे, विजय पुराणिक, उत्तर भारतीय संघ उपाध्यक्ष संजय सिंह, वीरेंद्र मिश्रा, भवन निमार्ता रामसूरत पांडेय, धीरज महाराज, शिव नारायण पंडित, डॉ रजनीकांत मिश्र, कांग्रेसी नेता संदीप शुक्ला, एडवोकेट रमेश त्रिपाठी, शिवशंकर मिश्रा,भाजपा नेता जयप्रकाश सिंह, चंद्रकांत मालकर, अनिल निर्मले, पूनम बोराटे, अनिल महाजन, पत्रकार पवन पाठक, उद्यमी संजय मिश्रा,पराग कपाड़िया,राहुल ला बैंक्वेट, जयेश नोडाया,रवि अग्रवाल, रुपराज बाफना, इब्राहिम जिझानी, नवीन रूपारेल, रामबिलास पाठक, दिवाकर मिश्र, आई पी पांडेय, आर डी सिंह, कलेक्टर पांडेय, कमलेश मिश्रा, जीतेश शाह, जीतेंद्र सिंह, केके पांडेय, दुर्गेश दुबे, समाजसेवक अरुण मिश्रा रमेश पांडेय, सोनू दुबे, राज मिश्रा, उमाशंकर पांडेय, सर्वदेव पांडेय, एस पी सिंह, संतोष सिंह,महेंद्र गिरी, शिव सेना नेता राजेश सिंह, राजकुमार तिवारी, बाबुलनाथ तिवारी, रितेश सिंह, बंसराज मिश्रा, अनिल मिश्रा, बृजेश त्रिपाठी, विमलेश मिश्र,बृजेश शुक्ल, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह,आशीष तिवारी, ब्रह्मदेव दुबे, संजय दुबे, संजय मिश्रा, रवीश दुबे, अवधेश तिवारी, राम तीरथ शर्मा, देवेंद्र प्रताप सिंह, हरीश पांडेय, बुलट सिंह, विनोद त्रिगुणायत, राकेश अग्निहोत्री, दिव्य प्रकाश तिवारी, प्रदीप मिश्रा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी व राजनीतिक, शिक्षाविद्, साहित्यकार और पत्रकार बंधु सहित क्षेत्र के तमाम वरिष्ठजनों ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए श्री शुक्ल के ज्येष्ठ सुपुत्र रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल और प्रशांत शुक्ल,ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ल व समस्त शोकाकुल परिजन से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सांत्वना दिया और अद्भुत प्रतिभा के धनी लोकप्रिय समाजसेवी स्व. शुक्ल जी के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। सभी वक्ताओं ने चंद्रशेखर आर शुक्ल के असमय निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उनके जीवन को प्रेरणा के रूप में स्मरण किया। और पुण्यात्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

बाजार में धडल्ले से बिक रहा एक्सपायरी चिकन और मटन

भिवंडी। भिवंडी शहर के झोपड़पट्टी ईलाकों में एक्सपायरी सामानों की बिक्री का मामला प्रकाश में आता रहा है। परन्तु खाद्यपदार्थों के विक्रेता चंद रुपये की लालच में खतरनाक खेल खेलते हुए श्लम बस्तियों में रहने वाले गरीब लोंगों के स्वास्थ से खिलवाड़ करते हुए एक्सपायरी डेट चिकन-मटन और मछली बेच रहे हैं। स्वास्थ विभाग कुंभकरणी नीद में मस्त है। भिवंडी शास्त्री बाजार में बिकने वाले चिकन-मटन व मछली कम भाव में बेचकर आर्थिक लाभ कमा रहा है। मटन २०० रुपए, चिकन १०० रुपये और मछली कम भाव में बेचकर अन्न एवं औषधि विभाग तथा पुलिस प्रशासन के आंखों में धूल झोंककर प्लास्टिक की थैलियों मे भरकर करोबार धडल्ले से हो रहा है। सूत्र बताते हैं कि मुंबई, ठाणे,नवी मुंबई आदि क्षेत्रों के बडे.मॉल्स से एक्सपायरी मांस को डिस्पोज करने के लिये भिवंडी और अन्य कई ईलाको में भेजा जाता है। स्थानीय लोंगों से मिलकर यहां के व्यापारी उस एक्सपायरी चिकन-मटन और मछली को गरीब व श्लम बस्तियों में बेच कर माल को खपाते हैं। तीन बत्ती, शांतीनगर, मुर्गी मुहल्ला,सौदागर मुहल्ला, गैवीनगर, कसाइ वाडा. अजंटा कंपाउड , नवी बस्ती आदि ईलाकों में एसे लोग सक्रिय भुमिका निभा रहे हैं। एफडीए और पुलिस प्रशासन पिछले वर्ष कई क्षेत्रों में कार्यवाई की थी। परंतु आज कल पनः लोंगों व्दारा एक्सपायरी डेट की सामग्री बाजारों में बेची जा रही हैं।

पीएनबी ने राष्ट्र नायकों को दी रक्षक प्लस योजना के जरिए श्रद्धांजलि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश की सेवा करने वाले वीर सपूतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), सार्वजनिक क्षेत्र में देश के प्रमुख बैंक, ने अपनी महत्वपूर्ण पीएनबी रक्षक प्लस योजना के तहत शहीद लांस नायक जितेंद्र कुमार यादव के परिवार को ?1 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की। शहीद जितेंद्र कुमार यादव, ग्राम जगधरा, बलिया, के निवासी थे। यह शोकपूर्ण कार्यक्रम सिकंदरपुर, बलिया (उत्तर प्रदेश), में आयोजित किया गया, जिसमें कर्तव्य के दौरान एक दुखद दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले सैनिक के सर्वोच्च बलिदान को सम्मानित किया गया।

जिलाधिकारी बलिया प्रवीण कुमार लक्षकार ने चेक सौंपते हुए कहा, ₹एक सैनिक के जीवन का कोई मुआवजा नहीं है। लेकिन जब पंजाब नेशनल बैंक जैसे संस्थान शहीदों के परिवारों का समर्थन करने के लिए आगे आते हैं, तो यह समाज को एक शक्तिशाली संदेश देता है - कि हमें उन लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए जो हमारी रक्षा करते हैं। इस पहल पर बोलते हुए, पीएनबी के कार्यकारी निदेशक, श्री बिभु पी. महापात्रा, ने कहा पीएनबी में, हम मानते हैं कि हमारी भूमिका का विस्तार वित्तीय सेवाओं से कहीं आगे तक है - यह राष्ट्र और उन लोगों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता पर आधारित है जो बहादुरी से इसकी रक्षा करते हैं। रक्षक प्लस योजना रक्षा बलों के वीर पुरुषों और महिलाओं के प्रति हमारे सम्मान और अटूट समर्थन का सच्चा प्रतिबिंब है।

शहीद लांस नायक जितेंद्र कुमार यादव के परिवार को दी गई सहायता केवल वित्तीय सहायता नहीं है- यह उनके बलिदान के लिए एक हार्दिक श्रद्धांजलि है और याद दिलाती है कि राष्ट्र अपने नायकों का सम्मान और स्मरण करता है। पीएनबी की रक्षक प्लस योजना भारत की रक्षा के साथ-साथ वदीर्धारी कर्मियों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता और कर्तव्य के प्रतीक के रूप में उभरी है। यह मृत्यु की स्थिति में 1 करोड़ के व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के रूप में वित्तीय कवरेज प्रदान करता है, साथ ही मृत्यु की स्थिति में 1.5 करोड़ का स्थायी पूर्ण विकलांगता और हवाई दुर्घटना कवरेज भी प्रदान करता है। इस योजना में आंशिक विकलांगता कवरेज और वदीर्धारियों की जरूरतों के हिसाब से व्यापक लाभ शामिल हैं।

नमो नमो मोर्चा भारत की 8वीं वार्षिक बोर्ड की बैठक सफलता पूर्वक संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। 'नमो नमो मोर्चा भारत' के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स (ट्रस्टी) की 8वीं वार्षिक सामान्य बोर्ड बैठक शनिवार को हरियाणा के गुरुग्राम स्थित वैश्य धर्मशाला, सेक्टर-4 में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो गई। 'इंडिया से पुनः भारत' के ध्येय वाक्य के साथ कार्यरत 'नमो नमो मोर्चा भारत' के इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन को सेवा-सहयोग के क्षेत्र में और अधिक विस्तार देने तथा जनसामान्य के बीच संगठन के उद्देश्य ₹एक कदम राष्ट्र निर्माण की ओर₹ को प्रभावी ढंग से पहुँचाने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही देश को रामराज्य की ओर ले जाने के लिए प्रयत्नशील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार करने हेतु संगठन के प्रत्येक प्रदेशाध्यक्ष को अपने दायित्वों का पुनः स्मरण कराया गया। बैठक में संगठन के रिक्त पदों के शीघ्र विस्तार हेतु व्यापक चर्चा हुई, जिसमें सभी सदस्यों ने क्रमशः अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक का संचालन 'नमो नमो मोर्चा भारत' के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सत्यप्रकाश सिंह एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री

श्री सोपान ठंडे पाटील ने किया। उन्होंने सभी उपस्थितजनों का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। इस बैठक में संगठन की राष्ट्रीय महिला कार्यकारी अध्यक्ष मूर्ति मीना, राष्ट्रीय महासचिव राजश्री कक्कड़, राष्ट्रीय सचिव संगीता खन्ना, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अलका राजपूत, राष्ट्रीय सचिव एम.आर. उदय रंगास्वामी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय मिश्रा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट विकास थोरात तथा सूर्यप्रकाश सिंह सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

कंपोस्ट खड्डा भरें, अपना गांव स्वच्छ रखें : मनोज रानडे

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। राज्य शासन के जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के आदेशानुसार ₹कंपोस्ट खड्डा भरें, अपना गांव स्वच्छ रखें₹ अभियान को सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने का संकल्प जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने व्यक्त किया है।

ग्रामीण क्षेत्रों की दृश्यमान स्वच्छता और नागरिकों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से जिला परिषद ने स्वच्छता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कमर कस ली है। पालघर जिले में ठोस कचरा प्रबंधन हेतु पालक मंत्री की संकल्पना के तहत ₹प्लास्टिक मुक्त, दुर्गंध मुक्त और स्वच्छ सुंदर पालघर₹ अभियान शुरू किया गया है। इसी क्रम में, गीले कचरे के उचित प्रबंधन हेतु 1 मई 2025 से विशेष स्वच्छता अभियान ₹कंपोस्ट खड्डा भरें, अपना गांव स्वच्छ रखें₹ चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत गीले कचरे से कंपोस्ट खाद बनाने पर विशेष बल दिया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण के अंतर्गत जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में ठोस कचरा और सांडपानी (गंदे पानी) के प्रबंधन का कार्य जोरों से जारी है। जिले के 898 गांवों में से 744 गांवों में ये कार्य पूर्ण हो चुके हैं। गंदा पानी प्रबंधन के अंतर्गत व्यक्तिगत सोख खड्डे, सार्वजनिक सोख खड्डे, किचन गार्डन आदि कार्य किए जा रहे हैं। वहीं, ठोस कचरा प्रबंधन के अंतर्गत कंपोस्ट (पीट) खाद परियोजनाएं, प्लास्टिक कचरा संग्रहण केंद्र आदि की स्थापना की जा रही है। राज्य शासन के निदेर्शानुसार गांवों में तैयार किए गए कंपोस्ट खड्डों (नाडेप) के माध्यम से गीले कचरे से खाद निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह अभियान 1 मई से 30 सितंबर 2025 तक चलेगा। 27 से 30 अप्रैल 2025 तक घर-घर जाकर कचरा वर्गीकरण किया जाएगा। 29 से 30 अप्रैल के बीच प्रचार-प्रसार कर अभियान का व्यापक प्रचार किया जाएगा। 1 मई को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर अभियान का शुभारंभ होगा।

1 से 10 मई के बीच गांवों से एकत्रित गीला कचरा नाडेप खड्डों में भरा जाएगा। 15 सितंबर तक खाद निर्माण पूर्ण कर खाद उठाने की प्रक्रिया पूरी होगी। तालुका के सभी गट विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि पंचायत समिति स्तर पर ग्राम पंचायत अधिकारियों की कार्यशालाएं व बैठकें आयोजित करें। ग्राम पंचायत अधिकारी गांवों में बैठकों, सूचना पटों और दवंडी के माध्यम से नागरिकों को अभियान की जानकारी देंगे। उक्त सूचना अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने सभी ग्रामपंचायतों को दी है। ₹कंपोस्ट खड्डा भरें, अपना गांव स्वच्छ रखें₹ अभियान की निगरानी तालुका स्तर के गट विकास अधिकारी, विस्तार अधिकारी, जिला सलाहकार, तालुका समन्वयक और गट समन्वयक द्वारा की जाएगी। यह जानकारी जल आपूर्ति व स्वच्छता विभाग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल पारसकर ने दी है ।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने जिले के सभी गांवों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार को अपने घर में गीले और सूखे कचरे का अलग-अलग वर्गीकरण करना चाहिए। गीले कचरे से कंपोस्ट या वर्मीकंपोस्ट (गांडूळ खत) बनाया जाए और सूखा कचरा पुनर्प्रक्रिया के लिए भेजा जाए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि ₹अपने गांव को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के इस महान प्रयास में सभी ग्रामवासियों का योगदान आवश्यक है।

आलमारी तोड़कर सोने-चांदी के गहने उड़ाए

ठाणे। दीवा पूर्व स्थित मुंबा देवी कॉलोनी के रॉयल रेजिडेंसी बिल्डिंग में शुक्रवार शाम चोरों ने दिनदहाड़े चोरी कर लिया। समीर तिवारी के घर में शाम सात बजे उस समय चोरी हुई जब परिवार के सदस्य छत पर टहलने के लिए गए थे। चोरों ने घर में घुसकर अलमारी से लगभग 37 ग्राम सोने और चांदी के गहने चुरा लिए। चोरी हुए गहनों में 10 ग्राम और 9.5 ग्राम की दो चेन, 10 ग्राम का मंगलसूत्र, 4 ग्राम की अंगूठी और 3 ग्राम के कान के रिंग शामिल हैं। इन गहनों की मौजूदा बाजार कीमत लगभग 3.50 लाख रुपये बताई जा रही है, हालांकि पुलिस द्वारा दर्ज मामले में कीमत पुराने मूल्य के अनुसार दर्शाई गई है। चांदी के गहनों का

सटीक मूल्यांकन नहीं हो पाने के कारण उसे शामिल नहीं किया गया।

घटना के बाद पीड़ित परिवार ने थाने का चक्कर लगाया, लेकिन पुलिस ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज नहीं की। अंततः वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद दो दिन बाद केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। इलाका निवासियों का कहना है कि छुट्टियों के दौरान जब कई लोग गांव चले जाते हैं, तब ऐसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। पुलिस की ढिलाई और लगातार हो रही चोरियों से लोगों में भय और आक्रोश दोनों गहराते जा रहे हैं।

मैत्रीबोध परिवार ने पहलगाम हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मुंबई(उत्तरशक्ति)। पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों की आत्मशांति के लिए मैत्रीबोध परिवार द्वारा श्रद्धांजलि यात्रा का आयोजन किया गया। शिवाजी पार्क, दादर में आयोजित इस श्रद्धांजलि यात्रा के दौरान 'एक भारत, हम भारत' का संदेश दिया गया। काजल अग्रवाल, मकरंद देशपांडे, अदिति पोहनकर जैसी जानी-मानी हस्तियों ने भी इस पहल का समर्थन करते हुए प्रेम और एकता का संदेश दिया। मैत्रीबोध परिवार द्वारा मुंबई सहित नई दिल्ली, अमृतसर और पहलगाम में आयोजित श्रद्धांजलि यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए।

इस यात्रा के दौरान लोग हाथों में बैनर लेकर शहीदों के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कर रहे थे।

आयोजन का उद्देश्य न केवल शहीदों की आत्माओं के लिए प्रार्थना करना था, बल्कि उनके परिवारों के प्रति समर्थन और एकजुटता भी प्रदर्शित करना था। मैत्रीबोध परिवार इस शांतिपूर्वक प्रदर्शन के साथ ही एक छोटा सा भाषण भी दिया, जिसमें उन्होंने शांति, भाईचारे और सह-अस्तित्व के संदेश को प्रमुखता से रखा। इस शांतिपूर्वक यात्रा में 200 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया और सभी ने यह संदेश दिया कि देश में ऐसी हिंसक घटनाओं के खिलाफ मिलकर खड़ा होना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। श्रद्धांजलि यात्रा का समापन मौन धारण के साथ किया गया, जहां सभी ने शहीदों को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया। पहलगाम में एक सहभागी ने भावुक होकर कहा, यहां निर्दोष पर्यटक घृणा के शिकार हुए। इस यात्रा के माध्यम से हम उन्हें प्रेम और सम्मान के साथ याद करते हैं। यात्रा ने यह सच्चाई सामने रखी कि अगर नफरत जान ले सकती है, तो प्रेम भी जीवन दे सकता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

शादी में पनीर न मिलने से सिरफिरे युवक ने मिनी बस से कई लोगों को कुचला

कई लोग हुए घायल, आरोपी वाहन लेकर फरार

चंदौली(उत्तरशक्ति)। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के हमीदपुर गांव में शनिवार की रात एक शादी में पनीर न मिलने से नाराज सिरफिरे युवक ने मंडप पर ही मिनी बस चला कर कई लोगों को कुचल दिया। इसमें छह लोग घायल हो गए। दूल्हे के पिता, दुल्हन के चाचा सहित तीन लोगों की हालत गंभीर है जिनका इलाज वाराणसी के ट्रामा सेंटर में चल रहा है। वहीं, संभ्रांत लोगों और पुलिस की मध्यस्थता के बाद रविवार को विवाह कराया गया। मुगलसराय थाना क्षेत्र के हमीदपुर गांव में शनिवार को वाराणसी के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के पहाड़ी गांव से बरात राजनाथ यादव के यहां आई थी। राजनाथ की पुत्री की शादी हो रही थी। इसी दौरान गांव का ही एक युवक खाना खाने पहुंचा। वह ज्यादा पनीर की मांग करने लगा जिस पर विवाद बढ़ा और लड़की के पिता ने कल्छुल से उसके सिर पर वार कर दिया। इसके बाद गुस्सा में आए युवक ने अपनी मिनी बस को तेज रफ्तार में लाकर मंडप पर चारों तरफ से चढ़ाकर घुमा दिया। मंडप में खाना खा रहे लोग घायल हो गए। इसमें दूल्हे के पिता, दुल्हन के चाचा सहित तीन लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें वाराणसी के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

वहीं, रात भर शादी रुकी रही। सुबह क्षेत्रीय लोगों और पुलिस की मध्यस्थता के बाद शादी कराई गई। मुगलसराय इंस्पेक्टर गगन राज सिंह ने बताया कि आरोपी वाहन समेत फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। जल्द से जल्द से गिरफ्तार किया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमला भारत की अस्मिता पर हमला: इंदु सिंह

आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए व्यापार मंडल जौनपुर का सरकार को पूर्ण समर्थन: शकील अहमद

◆ 27 देशवासियों की नृशंस हत्या दुखद एवं निंदनीय: घनश्याम साहू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 27 नागरिकों के लिए ज़िला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जौनपुर ने आयोजित की शोकसभा, किया गम और गुस्से का इज़हार।

व्यापार मंडल के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु की अध्यक्षता में ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब के प्रतिष्ठान पर व्यापारियों ने जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों पर हमले की निंदा की और मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति संवेदना और श्रद्धांजलि अर्पित की।

अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु ने कहा कि पाकिस्तान की घिनौनी साजिशों ने भारत की अस्मिता पर हमला किया है जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जौनपुर के सम्मानित व्यापारियों की ओर से इस हमले की जवाबी कार्रवाई करने की मांग करते हैं प्रांतीय मंत्री शकील अहमद एवं नगर अध्यक्ष घनश्याम साहू ने शोकसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय निर्दोष नागरिकों की नृशंस

हत्या पर पूरा देश गम और गुस्से में है, ऐसे में ज़िला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जौनपुर आतंकियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए सरकार के साथ है। शोकसभा को नगर महामंत्री आलोक रंजन सिन्हा एवं युवा व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने भी संबोधित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर व्यापार मंडल के सभी उपस्थित सदस्यों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूर्णीय और असामयिक क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

लोगों ने शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन भी रखा इस अवसर पर ज़िला कोषाध्यक्ष उमेशचंद्र गुप्त, नगर कोषाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार साहू, राजेश गुप्ता, राजेश जायसवाल, अब्दुल वहाब, साजिद अनवार, भगेलू सेठ, कृपानाथ सेठ बल्ला विनय जायसवाल, ताज मोहम्मद, अमर सेठ सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे। शोकसभा का संचालन ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब ने किया।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष का 28 अप्रैल को जौनपुर दौरा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा 28 अप्रैल को जौनपुर पहुंचकर जम्मू कश्मीर मे हुए आतंकी हमले के विरोध में शोक सभा मे शामिल होकर सभी दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे उसके बाद होटल त्रिलोक शंकरगंज जफराबाद पहुंचकर पत्रकार सम्मान समारोह में पत्रकारों को संबोधित करेंगे यह जानकारी राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जौनपुर जिला मीडिया प्रभारी ने देते हुए कहा राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद बहुत लंबे समय से पत्रकारों के हितों की लड़ाई लड़ रहा है पत्रकारों की सुरक्षा संगठन की प्राथमिकता है

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद हर पीड़ित पत्रकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलता है कोई संगठन से जुड़ा हो अथवा ना जुड़ा हो लेकिन हर पीड़ित पत्रकार के साथ खड़े होकर सुख-दुख में भागीदारी निभाना संगठन की प्राथमिकता है।28 अप्रैल सोमवार को मुख्य अतिथि देवेंद्र कुमार मिश्रा 11:30 बजे जौनपुर प्रथम आगमन पर वाजिदपुर तिराहे पर मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया जाएगा। 12:00 बजे जम्मू कश्मीर पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। 12:30 बजे होटल त्रिलोक शंकरगंज जाफराबाद जौनपुर मे पत्रकार सम्मान समारोह में भाग लेते हुए पत्रकारों को संबोधित करेंगे।राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने पत्रकारों से निवेदन किया है कि कार्यक्रम मे पधारकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएँ एवं आयोजन को सफल बनाएं।

यूपी बोर्ड परीक्षा में मुंगराबादशाहपुर की बेटियों ने लहराया अपना परचम

रियाजुल हक, मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परिणाम शुक्रवार दोपहर जारी किया गया। जिसमें जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर की बेटियों ने अपना परचम लहराया है और

माता पिता सहित गुरुजनों का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। बताते चलें कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने 2025 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के परिणाम घोषित किया। हाई स्कूल में 90.11% और इंटर में 81.15% छात्र-छात्राएं सफल हुए। लड़कियों ने फिर से बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने मेरिट में खास पहचान बनाई। इसी क्रम में मुंगराबादशाहपुर बालिका हिंदू इंटर कालेज की छात्रा ने इंटर में सृष्टि त्रिपाठी ने 92% (460/500) फीसदी प्राप्त कर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया। बीएन पीएन इंटर कालेज से हाई स्कूल में उमरा अंसारी 92% (552/600), अंशु यादव 91%, निष्ठा यादव 89%, सपना यादव 81% व इंटर में खुशी मौर्या 85% पुत्री प्रमोद मौर्या, आकांक्षा सिंह ने 84% फीसदी प्राप्त किया। राज इंटर कालेज से हाई स्कूल में अनुज्ञा त्रिपाठी ने 91% शिवांशी पांडेय ने 89.33%, अक्षिता पांडेय ने 88.83%, इंटर में सुधांशु यादव ने 86% हासिल किया है। एमबी पब्लिक स्कूल से निष्ठा केशरवानी ने 89%, प्राची पाल ने 88.33%, सेजल वर्मा ने 86.33, सत्या त्रिपाठी ने 82 %, खुशी यादव ने 87.33% फीसदी प्राप्त किया। आइडियल कॉन्वेंट स्कूल से हाई स्कूल में आरती गुप्ता ने 87% फीसदी प्राप्त कर माता पिता सहित गुरुजनों का मान बढ़ाया है।

शिक्षा एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही विद्या भारती: दिव्यकान्त शुक्ल

विद्या भारती के अध्यक्ष ने जनपद आगमन पर पत्र-प्रतिनिधियों से की वार्ता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शिक्षा और संस्कृति के प्रचार-प्रसार में विद्या भारती एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह क्षेत्र में सरस्वती शिशु मन्दिरर, विद्या मन्दिर जैसे स्कूलों के माध्यम से बच्चों को भारतीय मूल्यों और संस्कृति के साथ शिक्षित करता है जो विभिन्न गतिविधियों में भी शामिल हैं। उक्त बातें दिव्यकान्त शुक्ल अध्यक्ष विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश ने रविवार को जनपद आगमन के दौरान पत्र–प्रतिनिधि से हुई वार्ता के दौरान कही।उन्होंने आगे बताया कि विद्या भारती की शुरूआत आजादी के बाद वर्ष 1950 के दशक से हुई थी। इसका पहला स्कूल गोरखपुर में 1952 में स्थापित किया गया था जिसका नाम सरस्वती शिशु मन्दिर रखा गया था। शिक्षा के माध्यम से

भारतीय संस्कृति और मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसकी शुरूआत की गयी थी।माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज के सचिव रह चुके श्री शुक्ल ने आगे बताया कि विद्या भारती द्वारा हजारों से अधिक शिक्षा संस्थानों का कार्य किया जा रहा है। विद्या भारती, शिक्षा के सभी स्तरों- जैसे प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर कार्य कर रही है। इसके अलावा यह शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान करती है। साथ ही उद्देश्य के बारे में बताया कि विद्या भारती का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के बच्चों को शिक्षा प्रदान करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्षम बनाना है। यह शिक्षा संस्थान भारतीय मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों को भी बढ़ावा देता है। इस अवसर पर महेन्द्र मिश्र, सारांश मिश्र, प्रवेश दूबे, राकेश जी सहित तमाम लाग उपस्थित रहे।

जिला शासकीय अधिवक्ता का खिलाड़ियों ने किया भव्य स्वागत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी व

जिला बास्केटबाल संघ के सचिव लाल बहादुर पाल का खिलाड़ियों ने भव्य स्वागत किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि श्री पाल सरल व सहज स्वभाव के अधिवक्ता होने के साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता व सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता होने का अनुभव है।

तिलकधारी महाविद्यालय के उमानाथ सिंह स्टेडियम में रविवार को बास्केटबाल के खिलाड़ियों माल्यार्पण कर स्वागत किया। वरिष्ठ खिलाड़ी व अधिवक्ता वीरभद्र सिंह, अधिवक्ता जितेंद्र सिंह, भूपेंद्र प्रताप सिंह, डाक्टर वेद प्रकाश सिंह ने कहा कि श्री पाल की इस जिम्मेदारी से हम खिलाड़ी गौरवान्वित हैं। इनके नेतृत्व में सरकारी मामलों में पैरवी अधिक प्रभावी ढंग से होगी और न्यायिक प्रक्रिया को गति मिलेगी। स्वागत करने वालों में डाक्टर सत्य प्रकाश सिंह, रहमतुल्ला, सीपी सिंह, महिला कोच प्रियंका सिंह, अमित सिंह डब्बू, राम अवतार गुप्त, अनिकेत सिंह बाबू आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन डाक्टर राजेश सिंह ने किया।

शादी का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों/वांछितों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जफराबाद के नेतृत्व में थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-79/2025

धारा-69/352/351(3)बीएनएस से सम्बन्धित 01 वांछित आरोपी अजीत कुमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी कादीपुर थाना जफराबाद जौनपुर को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय किया गया।

अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर जिलाध्यक्ष ने की लोगों से अपील

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय ब्राह्मण महासभा रा. के राष्ट्रीय अध्यक्ष यूपी रत्न पं. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी के आवाहन पर प्रदेश के सभी जिलों में एक साथ अक्षय तृतीया के दिन भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर शोभायात्रा निकाली जा रही है जिसके क्रम में जौनपुर के जिलाध्यक्ष रत्नाकर चौबे के नेतृत्व में भव्य शोभायात्रा शहर में निकाली जा रही है वहीं लोगों से अपील करते हुए कहा है 29 अप्रैल 2025 अक्षय तृतीया दिन मंगलवार को भगवान परशुराम की जयंती पर दिन में 2:00 बजे हरबसपुर फूलपुर मडियाहू रोड फोरलेन के पास शुक्ला मैरिज हॉल पर सब एकत्रित होंगे वहां से दीवानी तिराहा पानी टंकी से शहर के अंदर भव्य शोभायात्रा प्रस्तावित है जिसमें आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थनिय है वही शोभा यात्रा को लेकर एक बैठक भी आहूत की गई जिसमें संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं. श्रीपति उपाध्याय, राष्ट्रीय सचिव पं. अवध नारायण तिवारी, वाराणसी मंडल अध्यक्ष जयेनद्र कुमार शुक्ला, जिला संरक्षक अजय त्रिपाठी, संजीव पाठक सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केराकत पुलिस ने बलात्कार के आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों/वाँछित की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये ।

विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी केराकत के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक केराकत के नेतृत्व में थाना केराकत पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 108/2025 धारा 64(1)/351(3) बी.एन.एस. व 3/4 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित 01 वांछित आरोपी आकाश निषाद पुत्र दिनेश निषाद निवासी लखनीपुरखान थाना जलालपुर जनपद जौनपुर को दिनांक 27.04.2025 को थानागद्दी बाजार से समय 12.30 बजे गिरफ्तार कर चालान न्यायालय जौनपुर किया गया।

खेतासराय पांचवीं पुण्यतिथि पर पत्रकार राजेन्द्र सोनी को दी गयी श्रद्धांजलि

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र सोनी की पाँचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को मुख्य मार्ग पर स्थित कस्बे के केडी हॉस्पिटल पर कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस

अवसर पर साथी पत्रकार, सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों ने उनकी पत्रकारिता में दिए गए योगदान को याद किया। शाहगंज पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष पत्रकार अजीम सिद्दीकी ने स्व. राजेन्द्र सोनी के निर्भीक लेखनीय, निष्पक्ष रिपोटिंग और समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा सच के पक्ष में कलम चलाई। आज के दौर में उनकी पत्रकारिता से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उनके पद चिन्हों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में हबीब हॉस्पिटल के संचालक डॉ. मो0 शौकत खान ने कहा कि स्व. राजेन्द्र सोनी ने अपने जीवन में पत्रकारिता के उच्च आदर्शों को निभाते हुए जनसमस्याओं को प्रमुखता से उजागर किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। इसके पूर्व उनके चित्र पर माल्यापर्ण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार राममूर्ति यादव, आनंद सिंह, विवेक श्रीवास्तव, सुरेश कुमार, यूसुफ खान, राकेश शर्मा, भानु प्रताप सिंह, मोनू श्रीवास्तव समेत आदि लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में आयोजक डॉक्टर नीरज सोनी ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

देश छोड़ने की घोषणा के बीच, चार ने मांगी भारत की नागरिकता

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। पहलगाम में 28 पर्यटकों की निर्मम हत्या के बाद पाकिस्तानियों को जबरन वापस भेजने की घोषणा के बीच वाराणसी में लांग टर्म बीजा पर रह रहे चार पाकिस्तानियों ने (प्राइवेसी के दृष्टिगत नाम नहीं दे रहे) भारत की नागरिकता मांगी है। बदले परिवेश में भारतीय नागरिकता हासिल करने के नियमों को पूरा करती फाइल की रफ्तार को लेकर संशय खड़ा हो गया है। इसलिए कि सरकार ने अभी घोषणा की है, जिसका आदेश जारी होने पर स्पष्ट होगा कि किस वीजा पर रह रहे पाकिस्तानी देश छोड़ना होगा और कौन भारत में बना रहेगा। फिलहाल, खुफिया एजेंसियां और सरकारी मशीनरी शार्ट टर्म और लांग टर्म वीजा पर रह रहे विदेशियों को किसी भी पल लौटने के लिए अलर्ट कर दिया है। सरकार की घोषणा में 27 अप्रैल तक की मोहलत दी गई है।

सरकार कर रही खोखली बातें, पूरे प्रदेश में जंगलराज: स्वामी प्रसाद मौर्य

पहलगाम आतंकी हमले में केंद्र सरकार की बड़ी नाकामी

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाजपा सरकार सिर्फ खोखली बातें कर रही है। सरकार के कामकाज से किसान, मजदूर, नौजवान, व्यापारी, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक,हर वर्ग परेशान है। पूरे प्रदेश में अत्याचार और जंगलराज का बोलबाला है।उक्त बातें मुहल्ला आजाद नगर में स्थित सभासद रितेश मौर्या के आवास पर आयोजित कार्यकताओं की एक बैठक में पूर्व कैबिनेट मंत्री व एजेपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहीं।कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम के आतंकी हमले में केंद्र सरकार की बड़ी नाकामी है।यह हमला सुरक्षा में बड़ी चूक है।प्रदेश सरकार पर तंज करते हुए कहा कि प्रदेश की योगी सरकार एक गुंडाराज बन गया है। करणी सेना के नाम पर गुंडे अपराधी बेखौफ हो गए हैं। मुख्यमंत्री के मौजूदगी में आगरा में तलवारें व बंदूकें को लहराकर कानून की धज्जियां उड़ाई है लेकिन किसी एक के भी खिलाफ छोटी सी भी धारा में एफआईआर दर्ज नहीं हुआ है।मुंगराबादशाहपुर में सभासद

रितेश मौर्या द्वारा प्रतीकात्मक रूप से तलवार से केक काटकर सम्राट अशोक की जयंती मनाने पर मुकदमा दर्ज करके जेल भेज दिया गया। कहा की योगी सरकार में जाति के आधार पर भेद-भाव से कानून व्यवस्था चलाया जा रहे है।आज पूरे प्रदेश में महिलाओं के साथ बलात्कार व भ्रष्टाचार आम हो गई है न्याय मिलना बहुत दूर की बात है थाने में मुकदमा दर्ज नहीं होता है। पूर्व राज्य मंत्री धनपत राम मौर्य विद्रोही ने कहा कि भाजपा सरकार मंदिर मस्जिद के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है। संविधान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 80 करोड़ लोगों को मुक्त राशन देने की बात करते हैं। लेकिन गरीबों के विकास की बात नहीं की जा रही है।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश महासचिव राम लखन मौर्य तथा संचालन अच्छे लाल मौर्य व रितेश मौर्या ने किया।

इस अवसर पर डॉ राहुल मौर्य, संदीप मौर्य, आनंद मौर्य, सभासद एजाज अहमद, शोएब हाशमी, वीरेंद्र पटेल, संतोष मौर्य, अखिलेश गौतम, सुनील मौर्य, संजय मौर्य, शिवम मौर्य, रणजीत मौर्य, सुनील, अवकाश कुशवाहा, प्रधान लालचंद मौर्या, राहुल, अमन यादव व धनीराम सरोज आदि लोग मौजूद रहे।

एआईएमआईएम कार्यकताओं का कैंडल मार्च निकालकर पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार शाम एआईएमआईएम कार्यकताओं ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। पाकिस्तान मुदार्बाद और आतंकवाद मुदार्बाद के नारे लगाते हुए कार्यकताओं ने तख्तियां लहराईं और जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष इमरान बंटी के नेतृत्व में जिला कार्यालय, बदलापुर पड़ाव से कैंडल मार्च निकाला गया, जो शाहीपुल पहुंचकर संपन्न हुआ। वहां शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष इमरान बंटी ने कहा कि पाकिस्तान के

आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का लम्बा और काला इतिहास है, जो लगातार भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचता रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि दुनिया से आतंकवाद का पूरी तरह सफाया हो। पूर्वांचल सचिव जावेद सिद्दीकी ने कहा कि भारत विविध विचारधाराओं का देश है, लेकिन जब देशहित की बात आती है, तो पूरा राष्ट्र एकजुट होकर चट्टान की तरह खड़ा हो जाता है। नगर अध्यक्ष जावेद अजीम ने कहा कि आज पूरे देश की संवेदनाएं शहीदों और उनके परिवारों के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से शहीद परिवारों को धैर्य और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।इस मौके पर शाहनेयाज अहमद, मुश्ताक हाशमी, शाहंशाह खान, कमलेश गौतम, सभासद अतीक अहमद, जुल्फिकार अहमद, बख्तियार आलम, युवा नगर अध्यक्ष सलाउद्दीन हाशमी, आजाद, इरशाद अहमद, कलीम हाशमी, अकरम, हाफिज शोहरत, हुजैफा आशु हाशमी, इरफान राणा, शाद, जीशान हैदर, शहजादे अंसारी, अजीम, मुन्नु, इरशाद अंसारी, अबु हुरैरा और फैसल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर पाये 10 लाख तक की सब्सिडी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का संचालन किया जा रहा है। उक्त योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्श 2025-26 मे 561 सूक्ष्म खाद्य इकाईया स्थापित करने का लक्ष्य जनपद को प्राप्त हुआ है।इस योजना के अन्तर्गत नमकीन उद्योग, बेकरी उद्योग, मिठाई उद्योग पशु एवं मुर्गी चारा, तेल मील, आटा चक्की, मसाला, मशरूम, पापड़, चिप्स, आयल मिल, राईस मिल, दाल मिल, समेत सामान्य अवसंरचना आदि व्यवसाय को आगे बढाने और राजस्व में वृद्धि के लिए आधारभूत संरचना को सुद्दढ करने के लिए कुल लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम 10 लाख रू0 तक के सब्सिडी का प्राविधान है।इसमे खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित नये उद्योग / पुराने उद्योग का उच्चीकरण हेतु स्थापित करने वाले व्यक्तिगत उद्यमी, स्वयं सहायता समूह सम्मिलित होगें, उद्यमियों द्वारा लागत का 10 प्रतिशत धनराशि स्वयं वहन करना होगा। शेष राशि बैंक से ऋण लेना होगा। इच्छुक उद्यमी योजना के विस्तृत दिशा-निर्देश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की बेवसाइट hhttps/mofpi.nic.in/pmfme/ पर देखे जा सकते है तथा pmfme पोर्टल पर आवेदन कर सकते है विस्तृत जानकारी हेतु प्रभारी पी०एम०-एफ०एम०ई० मो० नं0 8423624133 तथा करन सिंह (डिस्ट्रिक्ट रिर्सोस पर्सन) मो० नं0 8299468451 एवं आदित्य मौर्या (मो० नं0-7460034538), अशोक पाठक (मो० नं0-7355529239), सुरभित गुप्ता (मो० नं0-7355529239), सौरभ पटेल (मो० नं0-8934057791) से अथवा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

आवश्यकता है

श्रीराम यादव बालिका महाविद्यालय प्रतापनगर बरंगी, शाहगंज, जौनपुर (उत्तर प्रदेश) सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत (01 प्राचार्य पद), हिन्दी (01), भूगोल (01), प्राचीन इतिहास (01), शिक्षा शास्त्र (01), गृह विज्ञान (01), समाज शास्त्र (01), उर्दू (01) पदों की आवश्यकता है। योग्यता एवं वेतनमान उत्तर प्रदेश शासन यू0जी0सी0 एवं विश्वविद्यालय परिनियमावली के अनुसार निर्धारित होंगे इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की सत्यापित प्रतियाँ, चार पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल नम्बर के साथ के विज्ञापन प्रकाशन तिथि से 21 दिन के अन्दर प्रबंधक के पद नाम महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें, साक्षात्कार की सूचना डाक अथवा दूरभाष के माध्यम से दी जाएगी।

प्रबंधक- सुरेन्द्र प्रताप यादव
मो0नं0 9956705411, 8009766617

आवश्यकता है

सुमन महाविद्यालय खालिसपुर, बदलापुर, जौनपुर उ0प्र0 (सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर) में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत प्राचार्य (01) पद एवं स्नातक स्तर पर कला संकाय एवं विज्ञान संकाय में हिन्दी (01), संस्कृत (01), भूगोल (01), राजनीति शास्त्र (01), समाज शास्त्र (01), गृह विज्ञान (01), शिक्षा शास्त्र (01), गणित (01), भौतिक विज्ञान (01), रसायन विज्ञान (01), जन्तु विज्ञान (01), वनस्पति विज्ञान (01) पदों की आवश्यकता है योग्यता एवं वेतनमान उ0प्र0 शासन यू0जी0सी0 एवं विश्वविद्यालय परिनियमावली के अनुसार निर्धारित होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की सत्यापित प्रतियाँ, 4 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल नम्बर के साथ के विज्ञापन प्रकाशन तिथि से 21 दिन के अन्दर प्रबंधक के पद नाम महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें, साक्षात्कार की सूचना डाक अथवा दूरभाष के माध्यम से दी जाएगी।

प्रबंधक- श्री जगन्नाथ यादव
मो0नं0 9899228814

भाजपा कार्यालय का हुआ उद्घाटन

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी वसई विरार जिला उपाध्यक्ष मैथ्यू कोलासो ने भाजपा जनसेवा जनसंपर्क कार्यालय मानिकपुर वसई पश्चिम में उद्घाटन जनजातीय विकास समीक्षा समिति के अध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर) विवेकभाऊ के तत्वावधान में आयोजित किया गया। विवेक भाऊ पंडित, और वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित उपस्थित होकर उद्घाटन किया। इस उन्होंने कहा, ऱइस कार्यालय के माध्यम से हम जनसेवा, जनकल्याण और पार्टी के लिए विचारों के प्रभावी आदान-प्रदान के माध्यम से पार्टी के विकास में सदैव योगदान होगा। उन्होंने उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। इस उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ नेता दत्ता भाऊ नार, वरिष्ठ नेता शेखर दादा धुरी, वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, श्रीमती अपर्णा पाटिल, वसई पश्चिम मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी और बड़ी संख्या में नागरिक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आकृति विरेंद्र तिवारी का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व 90 फीट रोड प्रगति नगर स्थित जीवदानी अपार्टमेंट दुसरा महला रुम नं 202 में आकृति विरेन्द्र त्रिपाठी उम्र 12 वर्ष पूर्ण होने पर दिनांक 25 अप्रैल 2025 को जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर रामचरितमानस मानस पाठ का पंचम सोपान सुन्दरकाण्ड पाठ बहुत ही सुंदर ढंग से संपन्न हुआ। बिटिया आकृति तिवारी के जन्मदिन के अवसर पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी कलाकारों का साथ मिला, भजन गायक सिंगर अच्छे पांडेय, पवन पांडेय, अरुण दुबे, केशियो पे मानस गायकः- सत्येंद्र पांडेय, नालवादकः- विवेक उपाध्याय और पैड प्लेयर श्याम मिलन सहित सभी गायकों ने अपने मधुर आवाज से मन मुग्ध कर दिया। बिटिया आकृति को आशीर्वाद उनके पिता विरेन्द्र त्रिपाठी , मां निलम त्रिपाठी, खबरें आज तक के पत्रकार काका मुकेश त्रिपाठी, फूफा हरिकेश तिवारी, फूफा दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, बुआ लीलावती मिश्रा, बुआ सुशीला तिवारी, दादी शैला जयप्रकाश त्रिपाठी, गायत्री तिवारी, रेखा तिवारी , प्रिया तिवारी, गांव से दादा रामचंद्र त्रिपाठी ने भी फोन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं भेजा है।

कैदियों के नए तरीके से सुधारने की पहल,अब कैदी सुनेंगे गीत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मंडलीय कारागार में जेल मंत्री दारा सिंह चौहान ने कम्युनिटी रेडियो परवाज का उद्घाटन किया। इस अनूठी पहल के तहत जेल में बंद कैदी अब अपनी पसंद के गीत सुन सकेंगे, जिससे उनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होगा और अवसाद से राहत मिलेगी। प्रदेश सरकार ने कैदियों के मानसिक और शारीरिक कल्याण के लिए यह कदम उठाया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जेलों में पहले से कम्युनिटी रेडियो की व्यवस्था लागू है और अब आजमगढ़ कारागार भी इस सुविधा से जुड़ गया है। रेडियो के माध्यम से कैदियों की फरमाइश पर उनके पसंदीदा गीत बजाए जाएंगे। इसके अलावा, जेल में स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम जैसे आईटी, कारपेंटरी और प्लंबिंग की ट्रेनिंग भी दी जा रही है, ताकि कैदी हुनरमंद बनें और रिहाई के बाद समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक जीवन जी सकें। जेल मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि हमारा लक्ष्य कैदियों को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाना है। कई कैदी इन ट्रेनिंग प्रोग्रामों के जरिए जेल में ही आय अर्जित कर अपने परिवार की मदद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जेल परिसरों में ओपन जिम की सुविधा भी शुरू की जा रही है, ताकि कैदियों का शारीरिक विकास हो सके। मंत्री ने जोर देकर कहा कि रिहा होने के बाद ये कैदी समाज को सकारात्मक संदेश देंगे। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए जेल मंत्री ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया है।

अब जिले में हाईटेक होगी शिक्षा, गांवों में बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। अब गांव के युवाओं को ऑनलाइन शिक्षा के लिए भटकने की जरूरत नहीं होगी। जिले के सभी ग्राम पंचायत सचिवालयों में डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को इंटरनेट, कंप्यूटर और अन्य आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इस पहल के तहत पहले चरण में कितनी ग्राम पंचायतों में लाइब्रेरी तैयार होगी। शासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इन लाइब्रेरी में बच्चों के लिए पुस्तकालय, फर्नीचर, कंप्यूटर सिस्टम, निशुल्क इंटरनेट, दो टैबलेट, शुद्ध पेयजल की सुविधा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हर लाइब्रेरी के लिए लगभग चार लाख रुपये का बजट तय किया गया है। इन डिजिटल लाइब्रेरी का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को बेहतर शिक्षा देने के साथ ही इंटरनेट और कंप्यूटर की सुविधा प्रदान करना है, ताकि वे डिजिटल शिक्षा से वंचित न रहें। अभी तक ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, इंटरनेट और कंप्यूटर की कमी के कारण छात्र-छात्राएं ऑनलाइन पढ़ाई में कठिनाई महसूस करते थे। अब सचिवालयों में इन्वर्टर की व्यवस्था की जाएगी, इससे बिजली की समस्या का समाधान हो जाएगा और छात्रों को डिजिटल सेवा प्राप्त हो सकेगी।

सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद ने पकड़ी रफ्तार

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में इस बार के गेहूं खरीद सत्र में किसानों से तेजी से गेहूं खरीदा जा रहा है। सरकार ने बताया कि पिछले 42 दिनों में राज्य के विभिन्न सरकारी क्रय केंद्रों पर 6.57 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। राज्य सरकार के अनुसार, इस दौरान 4 लाख 20 हजार 837 किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए अपना पंजीकरण कराया है। अब तक 1.19 लाख से ज्यादा किसानों से खरीद पूरी हो चुकी है। गेहूं खरीद सत्र 17 मार्च से शुरू हुआ था और 15 जून तक चलेगा। किसानों की सुविधा के लिए क्रय केंद्रों पर पेयजल, छाया और अन्य इंतजाम किए गए हैं। सरकार ने रविवार के अवकाश के दिन भी खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों को गांव-गांव भेजकर किसानों से संपर्क करने के निर्देश दिए थे। जिन किसानों ने अभी तक पंजीकरण या नवीनीकरण नहीं कराया है, वे यूपी किसान मित्र ऐप या सरकारी पोर्टल के माध्यम से अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

संकट काल में ग्राहकों से अधिक किराया वसूलने वाली एयरलाइन कंपनियों पर कठोर कार्रवाई हो : गोपाल शेट्टी

बोरीवली (मुम्बई)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बेगुनाह व मासूम पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले और बेतहासा गोलीबारी के बाद, बड़ी संख्या में नागरिक कश्मीर घाटी से लौटने का प्रयास कर रहे थे। इस मुश्किल समय में, जब लोग संकट से गुजर रहे थे, कई एयरलाइन कंपनियों ने श्रीनगर से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई आदि देश के विभिन्न हिस्सों में जाने वाली हवाई उड़ानों के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ा दीं थी। इस वाकिये से दुःखी और आहत उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि ऐसी आपातकालीन परिस्थितियों में अधिक किराया वसूलने वाली एयरलाइन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और जिन यात्रियों से अधिक किराया वसूला गया है, उन्हें वह किराया वापस करने का निर्देश दिया जाए। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को लिखे गए पत्र में, जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे कहा है कि 23 अप्रैल 2025 को यह देखा गया कि यात्रियों की संख्या अधिक थी और नागरिकों को तुरंत घर वापस आने की जल्दी थी, इसलिए आश्चर्यजनक रूप से हवाई जहाज की टिकटों की कीमतें 6,000-8,000 रुपये से बढ़ाकर 14,000-28,000 रुपये कर दी गईं थीं। इसके बाद, जब इस पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई, तो नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनियों को उचित संदेश दिया, जिसके बाद कुछ कंपनियों ने यात्रा की तारीखें बदलने

और मुफ्त रिफंड करने की सुविधा उपलब्ध कराई। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने ऐसे ही एक मामले को कोट करते हुए पत्र में आगे लिखा है कि 2 जून 2023 को बालासोर, ओडिशा में हुई रेल दुर्घटना के दौरान लगभग एक समान घटना सामने आई थी, जब कुछ एयरलाइन कंपनियों ने 6000-8000 रुपये के टिकट के लिए 56,000 रुपये तक का टिकट की कीमत बढ़ा दी थी उस समय, मैंने 5 जून 2023 को तत्कालीन नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखकर इस संदर्भ में अपनी चिंता से अवगत कराया था। यह घटना नागरिक उड्डयन मंत्रालय के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा थी, जो यात्रियों के हितों की रक्षा और हवाई यात्रा को सुलभ और सुविधाजनक बनाने के लिए काम करता है। उस पत्र के उत्तर में, सभी एयरलाइन कंपनियों को अधिक शुल्क नहीं लेने की तब सलाह दी गई थी, लेकिन यह भी था कि एयरलाइन कंपनियां स्वतंत्र व्यावसायिक संस्थाएं होने के कारण, वे अपने विवेकानुसार अपने किराये तय करती हैं। अतः इस प्रकार की स्थिति में, केवल सलाह पर्याप्त नहीं है। संकट की परिस्थिति में सार्वजनिक हित की रक्षा के लिए कठोर और स्पष्ट नीतियों की आवश्यकता है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे कहा कि आतंकवादी हमले के बाद, संकट के समय में ग्राहकों से अधिक किराया वसूलकर मुनाफा कमाने की कोशिश करने वाली एयरलाइन कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए और जिन यात्रियों से अधिक किराया वसूला गया है, उन्हें उनके खाते में वह पैसे वापस किए जाने चाहिए।भविष्य में, किसी भी प्रकार की राष्ट्रीय आपदा, दुर्घटना या आपातकालीन स्थिति में, विमान टिकटों और अन्य ग्राहकोपयोगी वस्तुओं की कीमतों में अनावश्यक वृद्धि रोकने के लिए स्पष्ट, कठोर और प्रभावी नियम बनाए जाने चाहिए।

कर्ज से परेशान होकर युवक ने दी जान

कानपुर (उत्तरशक्ति)। रेलबाजार थानाक्षेत्र के फेथफुलगंज निवासी शेल्डन रौस की पत्नी ज्योत्सना रौस (38) ने शनिवार देर रात पानी गर्म करने वाली रॉड के तार का फंदा बनाकर दरवाजे की चौखट से जान दी। पति के अनुसार पत्नी पिछले पांच वर्षों से त्वचा रोग से काफी परेशान थीं। लगातार उनका इलाज चल रहा था। दो दिन पहले उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ी तो वह बेचैन रहने लगी थीं। बताया कि शनिवार देर रात वह नींद से जागी और हॉल में आकर बैठ गईं। इस दौरान बेटी अलीशा ने उठकर उन्हें पानी दिया। उन्होंने पत्नी को सोने के लिए कहा और कमरे में चले गए।

संत शिरोमणि श्री गोरा कुंभार की 708वीं पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई गई

उत्तरशक्ति पनवेल, नवी मुंबई। शनिवार को पनवेल नई मुंबई में कुंभार /प्रजापति समाज के आराध्य दैवत संत शिरोमणि श्री गोरा कुंभार (गोरोबा काका) की 708वीं पुण्यतिथि संत श्री गोरा कुंभार प्रतिष्ठान सामाजिक संस्था कुंभारवाडा पनवेल द्वारा श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। गोरोबा काका के मंदिर में सुबह से पूजा, अर्चना, मूर्ति का अभिषेक, पूजन व सार्वजनिक आरती के साथ शुरू हो गई थी। दिन भर भक्तों का आना-जाना और दर्शन करना लगातार जारी था। शाम को भजन कीर्तन का आयोजन भी किया गया था। शाम को सार्वजनिक आरती के समय बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजकों द्वारा समाज के विशिष्ट महानुभावों का सम्मान भी किया गया। समाज के मेधावी छात्रों का भी सम्मान किया गया है। इस अवसर पर प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.पी.प्रजापति ,रायगड जिला सचिव इंदर प्रजापति आदि सदस्यों ने भी भाग लिया। आयोजकों द्वारा महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया था जिसका लाभ भक्त जनों ने लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे। आयोजकों में किरण गंगाराम कलवेकर (अध्यक्ष), रितेश सदाशिव पनवेलकर (कार्याध्यक्ष), प्रसाद राजेंद्र पनवेलकर (उपाध्यक्ष), एडवोकेट आशीष विजय पनवेलकर (सचिव), नरेंद्र गोपीनाथ पनवेलकर (कोषाध्यक्ष) सहित कमेटी के सभी सदस्यों ने भाग लिया और आयोजन को सफल बनाया।

एक राष्ट्र एक चुनाव से भारत के विकास का सपना होगा साकार : कृपाशंकर सिंह

जौनपुर। महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृहराज्यमंत्री मंत्री एवं जनपद के पूर्व लोकसभा भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव से ही भारत के विकास का सपना पूरा होगा साथ ही साथ गरीबों की पीड़ा भी तभी कम होगी। बक्शा ब्लॉक सभागार में भाजपा मल्हनी मंडल प्रबुद्धजनों की संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि कृपाशंकर सिंह ने कहा कि आज समय की मांग है सभी चुनाव एक साथ हो। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान मेरे खिलाफ दुष्प्रचार किया गया है जितने के बाद वे मुंबई में ही मिलेंगे परन्तु आज जो जीत गया है वो कहा है यह जनपद की जनता पूछ रही है। उन्होंने कहा कि आज मल्हनी का दुर्भाग्य है कि विकास से कोसो दूर हो चला है। कृपाशंकर ने कहा कि 20 वर्ष मुम्बई में विधायक व मंत्री बन जनता के बीच था। पूर्व मंत्री ने कहा कि मेरी पूरी जिंदगी जनपद के लिए समर्पित रहेगी। भाजपा जिला महामंत्री सुशील मिश्र ने कहा कि एक देश एक चुनाव देश हित है इसे जल्द से जल्द अमल में लाया जाए। मुम्बई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पाण्डेय ने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश मे आज यह ज्वलंत मुद्दा बन चुका है जो देश व राष्ट्रहित में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें पूर्व ब्लॉक प्रमुख जयप्रकाश सिंह राना ने कहा कि छोटे बड़े सभी चुनाव एक साथ होने से आमजन मानस को राहत मिलेगी। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह आशू, श्यामराज सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सजल सिंह, मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र मिश्र, भूपेश सिंह, जितेंद्र मिश्र, दुर्गा मौर्या, प्रमिला सिंह, कृष्णानंद उपाध्याय, जियाप्रकाश भोले सिंह, सूर्यप्रकाश चौबे, शशि सिंह, कपिलमुनि मिश्र, धर्मराज तिवारी, नीलेश पाण्डेय सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहें। संचालन प्रबुद्ध कुमार दूबे ने किया। कार्यक्रम के अंत मे सभी लोगों द्वारा पहलगाम में हुई कायराना घटना की निंदा करते हुए दो मिनट का शोक रखा गया।

बरेली मे पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग,चौकीदार झुलसा

बरेली (उत्तरशक्ति)। बरेली के फरीदपुर में नेशनल हाईवे पर हरियाली बाजार के समीप स्थित अंबे पटाखा गोदाम में शनिवार रात करीब 1:30 बजे अचानक आग लग गई। गोदाम के एक कमरे में रखे सुतली बम सहित आतिशबाजी से तेज धमाके हुए, जिससे पूरा इलाका दहल गया। कमरे की दीवारें विस्फोट से टूट गईं। धमाकों के साथ दीवारों की ईंटें तक निकलकर दूर जाकर गिरीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फरीदपुर व बरेली फायर स्टेशन से पांच गाड़ियां आग बुझाने के लिए बुलाईं। धमाकों के बीच दमकलकर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। पूरी तरह से पटाखे जल गए, तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। आग इतनी तेज थी कि हाईवे के किनारे खड़े वन विभाग के पेड़ लपटों से जल गए। आग बुझाने के दौरान गोदाम का चौकीदार अमित भी झुलस गया। जय अंबे पटाखे वाले अमरीश अग्रवाल का लखनऊ-शाहजहांपुर नेशनल हाईवे पर हरियाली बाजार के पास स्थित गोदाम है। शनिवार रात करीब 1:30 बजे उसमें अचानक आग लग गई। पटाखे फटने से तेज धमाके होने लगे। गोदाम में मौजूद चौकीदार अमित ने आग बुझाने का प्रयास किया, जिससे वह झुलस गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने चौकीदार को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। आतिशबाजी गोदाम में आग लगने से तेज धमाके के साथ विस्फोट हो रहे थे। कमरे की दीवारें गिर गईं। उसमें से ईंटें निकलकर गोली की तरह दूर जाकर गिर रही थीं। फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। सीएफओ चंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि आतिशबाजी के गोदाम में आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भेजी गई थी।

पीएनबी ने राष्ट्र नायकों को दी रक्षक प्लस योजना के जरिए श्रद्धांजलि

मुंबई। देश की सेवा करने वाले वीर सपूतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), सार्वजनिक क्षेत्र में देश के प्रमुख बैंक, ने अपनी महत्वपूर्ण ह्यपीएनबी रक्षक प्लसह्ल योजना के तहत शहीद लांस नायक जितेंद्र कुमार यादव के परिवार को ?1 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की। शहीद जितेंद्र कुमार यादव, ग्राम जगधरा, बलिया, के निवासी थे। यह शोकपूर्ण कार्यक्रम सिकंदरपुर, बलिया (उत्तर प्रदेश), में आयोजित किया गया, जिसमें कर्तव्य के दौरान एक दुखद दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले सैनिक के सर्वोच्च बलिदान को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी बलिया प्रवीण कुमार लक्षकार ने चेक सौंपते हुए कहा, ऱएक सैनिक के जीवन का कोई मुआवजा नहीं है। लेकिन जब पंजाब नेशनल बैंक जैसे संस्थान शहीदों के परिवारों का समर्थन करने के लिए आगे आते हैं, तो यह समाज को एक शक्तिशाली संदेश देता है - कि हमें उन लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए जो हमारी रक्षा करते हैं। इस पहल पर बोलते हुए, पीएनबी के कार्यकारी निदेशक, बिभु पी. महापात्रा, ने कहाः ऱपीएनबी में, हम मानते हैं कि हमारी भूमिका का विस्तार वित्तीय सेवाओं से कहीं आगे तक है - यह राष्ट्र और उन लोगों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता पर आधारित है जो बहादुरी से इसकी रक्षा करते हैं। रक्षक प्लस योजना रक्षा बलों के वीर पुरुषों और महिलाओं के प्रति हमारे सम्मान और अटूट समर्थन का सच्चा प्रतिबिंब है। शहीद लांस नायक जितेंद्र कुमार यादव के परिवार को दी गई सहायता केवल वित्तीय सहायता नहीं है - यह उनके बलिदान के लिए एक हार्दिक श्रद्धांजलि है और याद दिलाती है कि राष्ट्र अपने नायकों का सम्मान और स्मरण करता है। पीएनबी की रक्षक प्लस योजना भारत की रक्षा के साथ-साथ वर्दीधारी कर्मियों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता और कर्तव्य के प्रतीक के रूप में उभरी है। यह मृत्यु की स्थिति में 1 करोड़ के व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के रूप में वित्तीय कवरेज प्रदान करता है, साथ ही मृत्यु की स्थिति में ?1.5 करोड़ का स्थायी पूर्ण विकलांगता और हवाई दुर्घटना कवरेज भी प्रदान करता है। इस योजना में आंशिक विकलांगता कवरेज और वर्दीधारियों की जरूरतों के हिसाब से व्यापक लाभ शामिल हैं। यह योजना रक्षा, सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) और अर्धसैनिक बलों के कर्मियों की एक विस्तृत श्रृंखला तक फैली हुई है, जिसमें सेना, नौसेना, वायु सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, अग्निवीर, भारतीय तटरक्षक, राज्य और मेट्रो पुलिस, रॉ, आईबी, सीबीआई, आरपीएफ, एनएसजी, एसपीजी, एनडीआरएफ, अग्निशमन दल और यहां तक कि प्रशिक्षु और जेंटलमैन कैडेट भी शामिल हैं। अकेले 2025 में, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और अन्य राज्यों सहित भारत भर के कई शहीदों के परिवारों को रक्षक प्लस योजना के तहत वित्तीय सहायता मिली है, जो राष्ट्र के रक्षा बलों के प्रति पीएनबी की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद ने किया समरसता दिवस पखवाड़ा का आयोजन

पटना(उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद, बिहार प्रांत इकाई द्वारा पटना उच्च न्यायलय परिसर स्थित बिहार स्टेट बार कॉउंसिल भवन के ब्रजकिशोर सभागार में समरसता दिवस पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद एवं बार कॉउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा, वरीय अधिवक्ता एवं अडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया डॉ. के एन सिंह, बिहार स्टेट बार कॉउंसिल के अध्यक्ष रमाकांत शर्मा एवं अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद, बिहार के प्रदेश महामंत्री संजीव कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके पश्चात अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद द्वारा आगत अतिथियों का मोमेंटो एवं अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। डॉ. अंबेडकर के दृस्टि एवं विचार विषय पर लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बाबा साहेब के जीवन पर चर्चा करते हुए उनके सामाजिक समरसता की बात कही। उन्होंने कहा कि उनके जीवन यात्रा में बिहार की धरती का भी बहुत योगदान रहा। डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद एवं जय प्रकाश नारायण जैसे महापुरुषों का अहम योगदान रहा है जो सामाजिक समरसता का प्रतीक है। अर्जुन राम मेघवाल ने समाज में सामाजिक समरसता फैलाने की जरूरत है तभी बाबा साहेब का सपना पूरा होगा। उन्होंने अधिवक्ताओं के लिए इन्सुरेंस स्कीम जल्द लागू करने की बात कही। साथ ही उन्होंने अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट और अधिवक्ताओं के फी स्ट्रक्चर पर भी विचार कर जल्द खुशखबरी देने की बात कही। उन्होंने लीगल सेक्टर में पूर्ण रूप से सुधार लाने का भरोसा जताया। वहीं मनन कुमार मिश्रा, डॉ. के एन सिंह और रमाकांत शर्मा ने भी इस विषय पर अपनी - अपनी बातों को रखा। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद, बिहार के प्रदेश महामंत्री संजीव कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे लिए यह गर्व की बात है की पहली बार किसी केंद्रीय कानून मंत्री ने बिहार स्टेट बार काउंसिल भवन में उपस्थित होकर अपना संबोधन दिया है। इससे हम अधिवक्ताओं को ऊर्जा और हौसले की अनुभूति हुई है। उन्होंने अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की मांगों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा और उसपर विचार कर-के जल्द लागू करने की मांग की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय परिषद सदस्य डॉ. चंद्रशेखर आजाद, अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार, क्षेत्रीय सचिव सुनील कुमार, रविकांत तिवारी सहित अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद से जुड़े सभी लोगों की उपस्थिति रही।

घर में मिली महिला की लाश, गले पर चोट के निशान

एटा (उत्तरशक्ति)। एटा के थाना निधौली कलां क्षेत्र में गांव रामनगर जिटौली में रविवार की सुबह महिला का चारपाई पर अर्धनग्न अवस्था में शव मिला। परिजन ने हत्या का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस, फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वायड टीम मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। गांव रामनगर जिटौली निवासी हवलदार सिंह ने बताया कि शनिवार को परिवार में एक शादी थी। लड़के की बरात में शामिल होने गए थे। पत्नी ममता (40) घर पर अकेली रह गई थी। रविवार की सुबह जब हम लोग बरात से घर लौटे तो दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज लगाने के बाद कोई जवाब नहीं मिला। आसपास के लोग भी घर के बाहर आ गए तो बेटा पीछे की दीवार से घर के अंदर गया। वहां की स्थिति को देखकर उसकी चीख निकल गई।

घर के आंगन में चारपाई पर अर्धनग्न अवस्था में ममता का शव पड़ा हुआ था। सूचना पर पुलिस, डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। हवलदार सिंह ने बताया कि पत्नी के शरीर से आधे कपड़े गायब थे और गले व शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। बताया कि बड़ा बेटा विशाल दिल्ली में रहकर हलवाई का काम करता है। अगले माह 25 मई को विशाल का विवाह होना है।

मुआवजा दिए बिना जमीन अधिग्रहण पर भड़के, काश्तकारो ने रोका काम

खेतासराय .जौनपुर (उत्तरशक्ति) जौनपुर से अंबेडकर तक फोरलेन निर्माण के लिए बिना मुआवजा दिए जमीनों का अधिग्रहण किए जाने के दौरान रविवार को मनेछा में किसान भड़क गए। किसानों ने जेसीबी से शुरू हुए काम को रोक दिया। मौके पर पहुंचे राजस्व कर्मियों से बिना मुआवजा दिए काम न करने की बात कही राष्ट्रीय राजमार्ग 135 ए का चौड़ीकरण का काम चल रहा है। मनेछा गांव की जमीन अधिग्रहण करने सुबह जेसीबी मशीन पहुंची तो किसानों ने विरोध करते हुए काम रुकवा दिया। सूचना पर नायब तहसीलदार पीयूष सिंह कानूनगो संजय राय लेखपाल पुनीत, अनिरुद्ध, अंकित और प्रोजेक्ट मैनेजर दिनेश पटेल मौके पर पहुंचे। किसानों को समझाने की कोशिश की तो किसानों ने कहा कि जबतक उनके जमीन का मुआवजा नहीं मिलता वह काम नहीं करने देंगे। किसान रामधारी, रामफेर बिंद ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी तीन बिस्वा जमीन अधिग्रहण की नोटिस मिली है। जबकि 14 बिस्वा जमीन अधिग्रहण की जा रही है। उच्चाधिकारियों से बात करने के बाद किसानों को भरोसा दिलाया गया कि बुधवार उनकी जमीन का मुआवजा मिल जाएगा। मुआवजा मिलने तक काम रुका रहेगा। इस दौरान किसान अशोक बिन्द, बाबूराम, तिलकधारी, रामकरण, रामबली,चंद्रिका, रामफेर, लालचंद,फूलचंद, राम सिंगार, रामचंद्र, छविराज गौतम समेत दर्जनों किसान मौजूद रहे।

हॉस्टल की दूसरी मंजिल से गिरा छात्र, सम्पूर्णानन्द में शास्त्री तृतीय वर्ष का छात्र

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के महामहोपाध्याय पं. शिव कुमार शास्त्री छात्रावास में रह रहे शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र अमित वाजपेयी हॉस्टल की दूसरी मंजिल से नीचे गिर पड़े। उन्हें सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल मंडलीय चिकित्सालय पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। अमित हॉस्टल में बर्तन धो रहे थे। टोटी के पास काई जमने के कारण फर्श फिसलन भरा हो गया था। बर्तन धोते समय अमित का पैर फिसल गया और वह संतुलन खोते हुए दूसरी मंजिल से नीचे गिर गए। गिरने से उनके सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद अन्य छात्रों ने उन्हें मंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। ट्रॉमा सेंटर में फिलहाल अमित की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है।

विमान में बम है की अफवाह से मचा हड़कंप, हंगामा करने वाला विदेशी यात्री गिरफ्तार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। बाबतपुर शनिवार की रात 9:55 बजे वाराणसी से बैंगलोर जाने के लिए 159 यात्रियों को लेकर तैयार इंडिगो का विमान संख्या 6ई 499 में एक कनेडियन विमान यात्री निशांथ योहानाथन ने हंगामा करते हुए कहा कि उसके हैंड बैग में बम है, तुम सब मरोगे। इसकी सूचना मिलते ही क्रू मेंबर्स ने तत्काल पायलट को दी। पायलट ने एटीसी से संपर्क कर इसकी सूचना दी। एयरलाइन को बताया कि विमान को उड़ान भरने से रोकने के साथ ही रनवे से वापस लाया गया।सीआईएसएफ के अधिकारियों सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल अपना पोजिशन लेते हुए विमान को आइशोलेशन वे में खड़ा कर दिया गया। विमान की लंबी जांच की गई। विमान यात्रियों को एयरपोर्ट पर टर्मिनल बिल्डिंग में पूरी रात बितानी पड़ी। डरे सहमे रहे। संदिग्ध यात्री से गहन पूछताछ की गई। हालांकि, इस दौरान यात्रियों के पास कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिला। विमान दूसरे दिन रविवार सुबह 7:35 बजे 158 यात्रियों को लेकर उड़ान भरा।कनेडियन यात्री को फूलपुर पुलिस के हवाले कर दिया गया। यहां यात्री के पास से कनाडा का पासपोर्ट मिला है। वहीं, आईबी और एलआयू सहित अन्य खुफिया एजेंसियों द्वारा यात्री से गहन पूछताछ की जा रही है। फूलपुर एसएचओ ने बताया कि यात्री को थाने लाया गया है। यहां आईबी- एलआयू सहित अन्य खुफिया एजेंसियों द्वारा पूछताछ की गई। यात्री पर एफआईआर किया।

बस -ट्रैक्टर ट्राली से भिड़ी ड्राइवर सहित तीन घायल, यात्री हुए भयभीत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाने के निकट जौनपुर-प्रयागराज हाइवे पर शनिवार की शाम एक ईंट लदे ट्रैक्टर ट्राली से रोडवेज बस की भिड़न्त हो गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा ट्राली में बुरी तरह से फंस गया। बस ड्राइवर सहित तीन यात्री घायल हो गए। घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया गया। बस चालक की गम्भीर हालत बताई गई। आवागमन दुरुस्त कराने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मुंगराबादशाहपुर डिपो की बस मछलीशहर की तरफ से जौनपुर की तरफ जा रही थी।स्थानीय लोगो की माने तो बस चालक दूसरे वाहन को ओवरटेक करने के चक्कर मे सामने से आ रहे ईट लदे ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। टक्कर इतना जोरदार था कि तेज आवाज के साथ धूल और धूएं का गुबार उठा। बस ड्राइवर 42 वर्षीय चंद्रेश विश्वकर्मा गम्भीर रूप से घायल होकर अपनी ही सीट में फंस गए, मौके पर राहगीरों व पुलिस ने बड़ी मशक्कत से उन्हें बस से बाहर निकाला। साथ ही बस में आगे बैठी दो यात्री अपेक्षा यादव पुत्री लालता यादव, कन्धरापुर, आजमगढ़ व प्रिया सिंह निवासी जीयनपुर आजमगढ़ को भी हल्की चोट लगी। घायलों को एम्बुलेंस से जिलाअस्पताल भेजा गया। उपनिरीक्षक आनन्द राय ने जेसीबी मंगाकर दोनों वाहनों को हटवाकर आवागमन दुरुस्त कराया।

प्रेमी ने कॉल रिसीव नहीं किया तो गर्लफ्रेंड ने पहुंचा दिया हवालात, वाराणसी में ऐसी लव स्टोरी से लोग हैरान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद से हैरान करने वाला लव अफेयर सामने आया है। मामले में एक प्रेमिका ने अपने प्रेमी को कॉल न रिसीव करने पर हवालात तक पहुंचवा दिया। अब यह पूरा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। हवालात में युवक के बंद होने के बाद दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू हुई। इसमें दोनों पक्ष प्रेमी और प्रेमिका की शादी को तैयार हो गए। इसके बाद जाकर मामला शांत हुआ। वहीं, इस घटना को लेकर पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगे हैं।

क्या है मामला-

वाराणसी के मिजार्मुराद थाने से अजीब मामला सामने आया है। यहां एक युवती ने प्रेमी के फोन न रिसीव करने पर जमकर बवाल काटा। मिजार्मुराद थाने पहुंची युवती ने युवक के खिलाफ केस दर्ज कर दिया। दरअसल, थाने पहुंची युवती ने शुक्रवार को प्रेमी के खिलाफ कठोर कार्रवाई को लेकर जमकर हंगामा किया। प्रेमी पर शोषण का आरोप लगा दिया।युवती ने पुलिस में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद हरकत में आई वाराणसी पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया। युवक के हिरासत में लिए जाने के बाद दोनों पक्षों के बीच घंटों तक पुलिस के साथ पंचायत चलती रही।

शादी के लिए राजी हुए परिजन

प्रेमी और प्रेमिका के परिजन इस घटना को लेकर हैरान दिखे। हालांकि, बाद में वे उनकी शादी कराने के लिए मान गए। इस पूरे विवाद के बीच पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप है कि दोनों पक्षों के बीच चल रही पंचायत के दौरान एक दरोगा ने युवक को छोड़ने के नाम पर पैसे भी ऐंठ लिए। हालांकि, पुलिस की ओर से इसकी जांच की बात कही जा रही है।

सोशल मीडिया से दोस्ती, फिर प्यार

मिजार्मुराद क्षेत्र की युवती और राजा तालाब के एक युवक के बीच सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर जान-पहचान हुई थी। सोशल मीडिया की दोस्ती ने रंग पकड़ा। पहचान प्यार में बदल गया। प्रेमिका के घर के बगल में प्रेमी की मौसी का भी घर है। वहीं पर दोनों के बीच मिलना-जुलना शुरू हो गया। सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा था, लेकिन पिछले तीन दिन से लड़का प्रेमिका के कॉल को उठा नहीं रहा था। प्रेमिका को यह धोखा देना प्रतीत हुआ।

लड़की का कहना था कि वह फोन कर रही थी, लेकिन युवक कॉल रिसीव नहीं कर रहा था। आक्रोशित प्रेमिका शुक्रवार को मिजार्मुराद थाने पहुंच गई। प्रेमी के खिलाफ तहरीर दे दी। मिजार्मुराद पुलिस ने प्रेमी को हिरासत में लेकर हवालात में डाल दिया। इसके बाद दोनों पक्षों को बुलाकर पंचायत कराई गई। इसमें दोनों पक्ष युवक और युवती की शादी को राजी हो गए।

जिलाधिकारी ने की सार्मथ्यानुसार भूसा दान करने की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा शनिवार देर सायं शासन की प्राथमिकता में शामिल भूसादान, जीरो पॉवर्टी, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री आदि की समीक्षा एनआईसी कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से तथा मुख्य सचिव के निर्देशन में रणनीति बनाते हुए भूसा संग्रहण की प्रक्रिया की जा रही है। भूसा संग्रहण की दो प्रक्रियाएं हैं, पहला, क्रय के माध्यम से और दूसरा दान के माध्यम से। जिलाधिकारी ने प्रसन्नता जताई कि जनप्रतिनिधिगणों के सहयोग से, मुख्य विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारीगण, ग्राम प्रधान, सचिव, सहित अन्य के समन्वय एवं प्रयास से इस कार्य को आपसी सहयोग और समन्वय के साथ तथा तत्परता के साथ निराश्रित गोवंशों के प्रति संवेदनशील होकर भूसा दान की मुहिम को एक नई दिशा दी गई है। इसके लिए सभी अधिकारियों का तथा भूसा दान में अपना सहयोग देने वाले सभी सम्मानित जनों तथा उनके परिवारजन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में आज तहसील मडियाहू में विधायक आर0 के0 पटेल, रामपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल सिंह, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र तथा मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया द्वारा भूसा दान करने वाले दानदाताओं को अंगवस्त्रम, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिवकमल ग्राम पंचायत अड़ियार विकास खंड रामपुर द्वारा 20 कुंतल पचरुखी गौशाला के लिए, सुशील कुमार ग्राम पंचायत गौधना विकास खंड रामपुर द्वारा 10 कुंतल पुराजीवन गौशाला के लिए, बाबू राम ग्राम पंचायत पचवल द्वारा 15 कुंतल सिधवन गौशाला के लिए, विजय नाथ सिंह ग्राम पंचायत सिधवन द्वारा 18 कुंतल सिधवन गौशाला के लिए, के अतिरिक्त अन्य कृषक, प्रधान तथा कोटेदारों द्वारा भी भूसा दान किया गया। अब तक करीब 14000 कुंतल से भी अधिक भूसा दान के माध्यम से संग्रहित हो चुका है इस पुनीत कार्य में जो लोग भी जुड़ रहे हैं उन सभी का जिलाधिकारी ने हृदय से आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने सभी से अपील किया है कि अपनी स्वेच्छा से तथा सार्मथ्यानुसार भूसा दान के इस पुनीत कार्य में और इस महा अभियान में सम्मिलित होकर पुण्य प्राप्त करें।

काम से घर लौट रही महिला को किडनैप कर ले गए सुनसान जगह, फिर किया गैंग'रेप

ओडिशा। ओडिशा के जाजपुर में एक महिला को काम से घर लौटते समय ऑटो-रिक्शा के चालक ने कथित तौर पर अगवा कर लिया और फिर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया एवं चाकू से वार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह घटना 22 अप्रैल की रात हुई, लेकिन इसका खुलासा रविवार को तब हुआ जब महिला ने अपनी हालत में सुधार होने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि काम से लौटते समय उसने एक ऑटो-रिक्शा लिया, लेकिन उसे घर पहुंचाने के बजाय चालक शहर के बाहरी इलाके में एक सुनसान स्थान पर ले गया। पुलिस शिकायत के अनुसार, जब वह वाहन में बैठी तो उसमें चालक के अलावा दो व्यक्ति थे तथा एकांत स्थान पर नशे में धुत तीन अन्य व्यक्ति उनका इंतजार कर रहे थे।

आतंकवादियों द्वारा 27 पर्यटकों की हत्या किए जाने के विरोध में निकाला कैंडिल मार्च

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई 27 पर्यटकों की नृशंश हत्या को लेकर दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री एंव गत लोकसभा चुनाव में जौनपुर संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी रहे कृपाशंकर सिंह के नेतृत्व में कैंडिल मार्च निकाला गया। उक्त कैंडिल मार्च जिला कारागार के पास स्थित क्षेम उपवन से आरंभ होकर खरका तिराहा स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास संपन्न हुआ। उक्त अवसर पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता सूर्यप्रकाश सिंह मुन्ना, प्रदीप सिंह सफायर, जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम, रत्नाकर सिंह, शशि सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, अजीत सिंह, सर्वेश सिंह, सौरभ सिंह विक्की, रजनीश सिंह पपलू, डा. राजेश सिंह, राजेश मौर्या,आसुतोष सिंह, समेत आदि लोग मौजूद रहे।

दस घण्टे के अन्दर दो भाइयों की मौत से परिजन मर्माहत

बड़े भाई के देहांत से दुखी छोटे भाई का भी निधन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज नगर के प्रतिष्ठित गल्ला व्यवसायी परिवार के दो भाइयों की मौत में पूरा नगर मर्माहत है। रविवार को भोर में 5 बजे बड़े भाई राजकपूर अग्रहरि का देहावसान हो गया। राजकपूर जी रामलीला समिति के संरक्षक के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक संस्थाओं में प्रमुख पद पर विराजमान रहे। परिजनों एवं शुभचिंतकों ने रामघाट पर शवदाह हेतु गये थे। शवदाह कर अभी लौटे भी नहीं थे कि छोटे भाई संतोष अग्रहरि के देहांत की मनहूस खबर से सब दंग रह गये।बताया जाता है कि बड़े भाई के देहांत से दुखी छोटे भाई ने भी अपने प्राण त्याग दिया। फिलहाल शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा है।

रविन्द्र दत्ताराम वायकर खासदार से एक खास मुलाकात की गई

मुंबई। रविवार उत्तर पश्चिम जिल्हा मुंबई लोकसभा खासदार रविन्द्र दत्ताराम वायकर से उनके जनसंपर्क कार्यालय मातोश्री, मुंबई शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया। जहां बीएमसी 'के' पूर्व के अधिकारियों आम जनता को मुलाकात का समय नही देने के मुद्दे पर चर्चा की गई। इस मौके पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के संवाददाता सुखबिंदर सिंह, श्रद्धा गोरगे ज्योतिषी, समाजसेविका व शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट समर्थक और मुमताज शेख समाजसेविका भी उपस्थित रहे।

कला संवाद की प्रदर्शनी ताज आर्ट गैलरी में अनावरण

मुंबई(उत्तरशक्ति)। कला संवाद ने एक दिवसीय कला प्रदर्शनी का आयोजन किया। इसमें 34 प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपनी कृतियों को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी में विभिन्न शैलियों और माध्यमों में चित्रों और कलाकृतियों का आकर्षक संग्रह प्रस्तुत किया गया। आगंतुकों ने परिदृश्यों और सम्मोहक चित्रों से लेकर अभिनव अमूर्त टुकड़ों और विचारोत्तेजक समकालीन कार्यों तक सब कुछ सराहा। इस प्रदर्शनी की परिकल्पना राजकुमार शर्मा ने कि और संयोजन नंदू सरस्वती ने किया था। यह कार्यक्रम ताज आर्ट गैलरी, ताज महल पैलेस, मुंबई में 25 अप्रैल 2025 को सुबह 09.00 बजे से शाम 08.00 बजे तक आयोजित किया गया।

अलियाक्सांद्र मात्सुको (मुंबई में बेलारूस गणराज्य के महावाणिज्य दूतावास) मुख्य अतिथि और पद्मश्री डॉ. मुकेश बत्रा (संस्थापक, डॉ. बत्राज हेल्थकेयर), प्रो. वाघमारे (महाराष्ट्र के पूर्व कला निदेशक), डॉ. उत्तम वी. जैन (संरक्षक, हिंदुस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स, मुंबई), किशोर खाबिया जैन (सीएमडी, खाबिया ग्रुप, मुंबई) व प्रोफेसर हेमंत सामंत (शीतकालीन और महासचिव, जे.यू.एम.) प्रमुख अतिथि थे। उनके साथ गणपत कोठारी (सीएमडी, कोठारी ग्रुप, मुंबई), महेंद्र कलंत्री (निदेशक, एक्लेम सिस्ट प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई), जगदीश पुरोहित (अध्यक्ष, इंडिया प्रेस, मुंबई), मोगलन श्रावस्ती (पूर्व प्रोफेसर, सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट मुंबई), संतोष पेडनेकर (सहायक निदेशक, नेहरू सेंटर आर्ट गैलरी, मुंबई), संदीप प्रभाकर (सहायक क्यूरेटर, बजाज आर्ट गैलरी, मुंबई), संजय निकम (कलाकार और क्यूरेटर, गांधी फिल्म फाउंडेशन आर्ट गैलरी मुंबई), राजन जाधव (संस्थापक निदेशक, उत्तर समूह और डब्ल्यू.ए.सी.), जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कला संवाद के राजकुमार शर्मा ने कहा, ₹इस कार्यक्रम का उद्देश्य कलाकारों और उनकी कृतियों को बढ़ावा देना है, जिससे उन्हें पहचान और प्रसिद्धि मिल सके।₹ उन्होंने कहा कि आगंतुकों को भी चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य कई अद्भुत कलाकृतियों को देखने का अवसर मिला, जिससे प्रत्येक कला प्रेमी को एक गतिशील अनुभव प्राप्त हुआ। जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स से ललित कला में मास्टर नंदू सरस्वती ने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य उभरते और स्थापित दोनों तरह के कलाकारों को उजागर करना, समुदाय के भीतर विविध कलात्मक आवाजों के लिए एक मंच प्रदान करना और मुंबई की कलात्मक नब्ज से सही मायने में जुड़ने और संभावित रूप से एक नए कलाकार को खोजने का शानदार अवसर प्रदान करना है, जिसका काम आपके साथ गहराई से जुड़ता है।

कार्यक्रम में भारत भर के कलाकारों ने भाग लिया जिनमें डॉ. उदय भोईर (डॉ. एवं प्रो. प्रिंसिपल राजा रवि वर्मा स्कूल ऑफ फाइन आर्ट), डॉ. मनोज सिंगरखिया (डॉ. एमएस, डी. ओआरटीएच, एफसीपीएस, केईएम, मुंबई), डॉ. केतन नाइक (डॉ.), लिलू बत्रा (एमबीए), लीना रामचंद्र शिंदे (जी.डी.आर्ट एप्लाइड आर्ट्स), अतुल पंडित (जी.डी.आर्ट), देबोलिना साहा (पीएचडी व रिसर्च स्कॉलर), आरती राज (एमबीए आईआईएम), नेहा चपलोत (एमबीए), दीपायन घोष (एमबीए), दीपिका शाह (एमबीए), मिन्ना कौशिक (एमएफए (इंटीरियर), निर्मल ठाकुर (एमएफए), प्रियंका भिसे (एमएफए), सुसान हाफहाइड (पीजीडी यूआई-यूएक्स डिजाइन), मेघा आचरेकर (पीजीडी), विनायक शिंदे (बीएफए), अंशू बी. विश्वकर्मा (बीएफए (इंटीरियर), दीपक बिस्वाल (बीएफए), रविंद्र लक्ष्मण (बीएफए), आर्य अंबाडेकर (बी.आर्क.), समिधा लाड (बी.ए.), एस. सुजयेंद्रा (बी.ए.), अल्पना डांगी (बी.कॉम), रितु जयसवाल (बी.ए.), कविता तंबोलकर (बी.ए.), वसुधा लावत्रे (बी.ए.), परशुराम पाटिल (आर्ट मास्टर), स्वाति सतीश नजारे (आर्ट मास्टर), चंद्रकांत ए. सिंगे (एमएफए), उर्वी शाह (पीजीडी (इंटीरियर डिजाइन), सोहन कुमार (बीएफए), संजना रामचंदानी (बी.कॉम, आईएटीए), प्रदन्या वानखड़े (एमए (अंग्रेजी साहित्य) मौजूद रहे।

भारतीय मछुआरे घुरहू बिंद के निधन पर परिवार ने की सरकार से मदद की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के ग्राम सभा बसीरिहा, थाना मछली शहर निवासी भारतीय मछुआरे घुरहू बिंद, जो भारतीय सीमा के बाहर पाकिस्तान द्वारा बंदी बना लिए गए थे, उनके निधन की सूचना मिलने के पश्चात उनका शव 20 अप्रैल 2025 को भारत लाया गया। उनके परिवार और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों और स्थानीय संगठन 'केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी राम केवट भारतीय मछुआरे ने प्रशासन और सरकार से घुरहू बिंद के परिवार को उचित सरकारी सहायता, आर्थिक मदद और सम्मान देने की मांग की है। इस दौरान केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन' के लोगों ने जौनपुर जिले की अतिरिक्त जिलाधिकारी ज्योत्सना सिंह को ज्ञापन सौंपा।

बताया गया है कि घुरहू बिंद कई सालों से लापता थे। बाद में पता चला कि वे पाकिस्तान द्वारा बंदी बना लिए गए थे। भारत सरकार के प्रयासों से उनका शव वापस लाया गया, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में उनके परिवार को काफी पीड़ा का सामना करना पड़ा। अतिरिक्त जिलाधिकारी ज्योत्सना सिंह को ज्ञापन सौंपते समय सूरज केवट प्रधान, अशोक कुमार बिंद, राम आसरे बिंद, दीपक बिंद, नीरज बिंद आदि मौजूद रहे। संगठन ने सरकार से मांग की है कि घुरहू बिंद के परिवार को शहीद का दर्जा दिया जाए और उनके बच्चों की शिक्षा तथा परिजनों की आर्थिक मदद सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाने की भी मांग की गई है। केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसीराम केवट ने कहा कि घुरहू बिंद के साथ जो हुआ वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और सरकार को पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उचित राहत प्रदान करनी चाहिए।

जौनपुर में महिला समेत दो लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या, क्षेत्र में मचा हड़कंप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जनपद के सुजानगंज थाना क्षेत्र में एक ही दिन आत्महत्या की दो दर्दनाक घटनाएं सामने आई हैं। दो अलग स्थानों पर एक महिला समेत दो लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

पहली घटना थाना क्षेत्र के इटहा गांव की है। जहां रविवार सुबह करीब 8 बजे 40 वर्षीय संगीता देवी पत्नी मानिक चंद्र की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन तत्काल उन्हें चिकित्सालय ले गए, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बताया कि संगीता ने जहरीला पदार्थ खाया था। इलाज शुरू होने के महज 10 मिनट बाद ही संगीता देवी ने दम तोड़ दिया। दूसरी घटना थाना क्षेत्र के पटूहवा बेलापार गांव की है। यहां मटरू पाल का 20 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार पाल ने सुबह करीब 9 बजे अज्ञात कारणों से कीटनाशक दवा खा ली। मनीष को अचेत अवस्था में परिजन तत्काल सुजानगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मनीष को मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इन दो दर्दनाक घटनाओं से पूरे क्षेत्र में शोक और चर्चा का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश और दुख देखा जा रहा है।

बॉर्डर पार गए बीएसएफ जवान की 5 दिन बाद भी रिहाई नहीं

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पूर्णम साहू की पत्नी ने रविवार को कहा कि वह सेना के वरिष्ठ अधिकारियों से अपने पति को पाकिस्तान से वापस लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानने के लिए पंजाब के फिरोजपुर जाएंगी। साहू के अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने के बाद पाकिस्तान रेंजर्स ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। गर्भवती महिला, उनका बेटा और तीन अन्य रिश्तेदार सोमवार को चंडीगढ़ के लिए उड़ान भरेंगे और इसके बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित फिरोजपुर जाएंगे।